1. भाषा, लिपि और व्याकरण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भाषा के भेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

भाषा के दो भेद हैं–मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

1. **मौखिक भाषा–** भाषा का वह रूप जिसमें बोलकर समझाया जाता है और सुनकर समझा जाता है, मौखिक भाषा कहलाता है। जैसे–

   नीता ने अध्यापिका से प्रश्न पूछा।

2. **लिखित भाषा–** जब लिखकर या पढ़कर विचारों का आदान-प्रदान होता है तो वह भाषा-रूप लिखित भाषा कहलाता है। जैसे–

   प्रवीण निबंध लिखने लगा।

(ख) लिपि किसे कहते हैं? चार भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए।

मौखिक ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्न लिपि कहलाते हैं।

कुछ भाषाएँ और उनकी लिपियाँ इस प्रकार हैं–

	भाषा	लिपि		भाषा	लिपि
1.	संस्कृत	देवनागरी	3.	पंजाबी	गुरमुखी
2.	हिंदी	देवनागरी	4.	उर्दू	फ़ारसी

(ग) बोली और उपभाषा में अंतर लिखिए।

एक सीमित क्षेत्र में बोला जाने वाला भाषा का स्थानीय रूप बोली कहलाता है। भाषा का वह रूप जिसका क्षेत्र बोली से बड़ा होता है, वह उपभाषा कहलाता है।

(घ) हिंदी को राजभाषा क्यों कहा जाता है?

सरकारी कामकाज के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, वह राजभाषा होती है। भारत में सरकारी कामकाज की भाषा हिंदी है इसलिए हिंदी राजभाषा है।

(ङ) व्याकरण किसे कहते हैं?

भाषा के शुद्ध रूप को बोलने, लिखने तथा पढ़ने के नियमों का ज्ञान

कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

2. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर पंक्तियों को पूरा कीजिए।

(क) भाषा का रूप **बदलता** रहता है। (बदलता/स्थिर/स्थायी)

(ख) प्रत्येक भाषा की **अलग** लिपि होती है। (अलग/सामान्य/अनेक)

(ग) भारतीय संविधान के अनुसार, हिंदी भारत की **राजभाषा** है। (लोकभाषा/राजभाषा/जनभाषा)

(घ) बोली का क्षेत्र भाषा से **छोटा** होता है। (बड़ा/छोटा/बहुत बड़ा)

3. हिंदी की उपभाषाओं के नीचे उनकी बोलियों के नाम लिखिए।

पूर्वी हिंदी	पश्चिमी हिंदी	राजस्थानी हिंदी	पहाड़ी हिंदी	बिहारी हिंदी
अवधी	खड़ी बोली	मारवाड़ी	कुमाऊँनी	मैथिली
बघेली	हरियाणवी	जयपुरी	गढ़वाली	मगही
छत्तीसगढ़ी	ब्रजभाषा	मेवाती		भोजपुरी
	बुंदेली	मेवाड़ी		
	कन्नौजी			

बहुविकल्पी प्रश्न

4. उचित विकल्प चुनिए।

(क) भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं का मान्यता दी गई है?

(i) 22 ☑ (ii) 20 ☐ (iii) 18 ☐ (iv) 24 ☐

(ख) भाषा का व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध रूप क्या कहलाता है?

(i) संपर्क भाषा ☐ (ii) राजभाषा ☐

(iii) मानक भाषा ☑ (iv) राष्ट्रभाषा ☐

(ग) भाषा का लिखित रूप नहीं है–

(i) पुस्तक ☐ (ii) समाचार पत्र ☐

(iii) पत्र ☐ (iv) वाद-विवाद ☑

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

2. वर्ण विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) हिंदी वर्णमाला में कुल कितने वर्ण हैं? वर्णों के कौन-कौन से भेद हैं?

हिंदी वर्णमाला में वर्णों की कुल संख्या 44 है।

वर्णों के दो भेद हैं– स्वर और व्यंजन।

(ख) ह्रस्व स्वरों को ह्रस्व और दीर्घ स्वरों को दीर्घ क्यों कहते हैं?

ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ, ऋ) के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगने के कारण इन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। और दीर्घ स्वरों (आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ औ) के उच्चारण में ह्रस्व स्वर की अपेक्षा दोगुना समय लगता है। इसलिए इन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।

(ग) व्यंजनों के भेद किस-किस आधार पर किए जाते हैं?

व्यंजनों के भेद निम्न आधार पर किए जाते हैं–

1. उच्चारण–स्थान के आधार पर
2. प्रयत्न के आधार पर
3. श्वास की मात्रा के आधार पर
4. स्वरतंत्रियों के कंपन के आधार पर

(घ) व्यंजन संयोग को उदाहरण सहित समझाइए।

व्यंजन संयोग – स्वर रहित व्यंजन को व्यंजन से जोड़ने को व्यंजन संयोग कहते हैं। व्यंजन संयोग करते समय निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए–

- खड़ी पाई वाले व्यंजनों में से खड़ी पाई को हटा दिया जाता है; जैसे – ख् को ख, च् को च
- जिन व्यंजनों के बीच में खड़ी पाई हो, उनमें पीछे का मुड़ा भाग हटा दिया जाता है; जैसे – क् को क (चक्की) फ् को फ (गिरफ़्तार)
- बिना पाई वाले व्यंजनों के नीचे हलंत लगा दिया जाता है; जैसे – ट् = मुट्ठी द् = द्वार ह् = चिह्न
- 'र' व्यंजन आने पर स्वर रहित र को अगले व्यंजन के ऊपर लगाया जाता है। इसे रेफ़ कहते हैं; जैसे – कर्म, धर्म।

स्वर सहित र अपने पहले व्यंजन के पैर में लगता है। इसे पदेन कहते हैं; जैसे – प्रदीप, क्रम।

ट्, ड् के नीचे 'र' (ृ) के रूप में लगता है; जैसे – राष्ट्र, ड्रामा।

(ङ) वर्तनी संबंधी अशुद्धि के कारण बताइए। उदाहरण भी दीजिए।

वर्तनी वर्णों एवं शब्दों के लिखने की विधि है। वर्तनी भाषा के उच्चारित रूप के अनुसार चलती है। हिंदी भाषा में वर्ण जिस प्रकार बोला जाता (उच्चारित) है, उसी प्रकार लिखा जाता है। अत: उच्चारण अशुद्ध होने पर वर्तनी भी अशुद्ध हो जाती है। भारत में अनेक भाषाओं और हिंदी की स्थानीय बोलियों के कारण हिंदी शब्दों के उच्चारण में अंतर आ जाता है, जिससे वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ आ जाती हैं। उदाहरण– मात्रा, व्यंजन, ऋ, र, अनुस्वार, अनुनासिक, संयुक्ताक्षर संबंधी अशुद्धियाँ।

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

पृष्ठभूमि – प् + ऋ + ष् + ठ् + अ + भ् + ऊ + म् + इ

उच्चारण – उ + च् + च् + आ + र् + अ + ण् + अ

कृतिका – क् + ऋ + त् + इ + क् + आ

3. जो संयुक्त व्यंजन वाले शब्द नहीं हैं, उन पर (✗) लगाइए।

कक्ष	☐	छज्जा	☒	पत्र	☐	शिक्षा	☐
ज्ञान	☐	श्रवण	☐	प्यास	☒	यात्री	☐

4. दिए गए गद्यांश में से वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ रेखांकित करके उनकी शुद्ध वर्तनी नीचे खाली स्थान में लिखिए।

सेट ने एक पूराना मकान खरीदा। रात्री में दरबाज़े पर ज़ोर की ध्वनी सुनकर सेट की निंद खूल गई। वे आंखें मलते हुए उठे। उन्होंने देखा दानब के अकार का विसाल शरीर वाला एक मनुश्य खड़ा है। सेट ने पूछा, "तुम कौन हो?" वह बोला, "मैं भुत हूँ। पहिले इस मकान में रहता था। मुझे कीराया चाहिए, अगर तुमने मेरी वात नहीं मानी, तो मैं तुम्हें मार दूँगा।"

सेट हिम्मतवाला और समझदार था। उसने कहा, "सुना है भुत तो ईशवर के दरवार में भी जाते हैं। क्या तूम ईशवर से मेरि आयू पुछकर बता सकते हो? यदि तुम नहीं बता पाए तो मैं समज लूँगा कि तुम भुत नहीं हो।"

सेठ, पुराना, रात्रि, दरवाज़े, ध्वनि, सेठ, नींद, खुल, आँखें, दानव, आकार, विशाल, मनुष्य, सेठ, भूत, पहले, किराया, बात, सेठ, भूत, ईश्वर, दरबार, तुम, ईश्वर, मेरी, आयु, पूछकर, समझ, भूत

5. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न लगाइए।

हसी	आख	दात	अगारे	चाद
हँसी	आँख	दाँत	अँगारे	चाँद

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों की तुलना में लगभग दोगुना समय लगता है वे कहलाते हैं –

(i) प्लुत ☐ (ii) दीर्घ ☑ (iii) संघर्षी ☐ (iv) मूल ☐

(ख) 'पक्का', 'पन्ना', 'सत्ता' शब्दों में प्रयुक्त समान व्यंजनों के गुच्छ को कहते हैं –

(i) संयुक्त व्यंजन ☐ (ii) द्वित्व व्यंजन ☑

(iii) संयुक्ताक्षर ☐ (iv) प्लुत व्यंजन ☐

(ग) जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा किसी स्थान पर रगड़ खाकर बाहर निकलते हुए ऊष्मा पैदा करती है, वे व्यंजन कहलाते हैं –

(i) स्पर्श ☐ (ii) महाप्राण ☐ (iii) ऊष्म ☑ (iv) सघोष ☐

(घ) 'अनुसंशा' शब्द में वर्तनी संबंधी अशुद्धि के प्रकार का संबंध है –

(i) मात्रा से ☐ (ii) व्यंजन से ☑

(iii) अनुस्वार से ☐ (iv) संयुक्ताक्षर से ☐

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करेंगे। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे नए-नए शब्द बनाना सीखेंगे।

3. शब्द विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) शब्द और पद में अंतर बताइए।

वर्णों का निश्चित अर्थ प्रकट करने वाला वर्ण-समूह शब्द कहलाता है। तथा वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द व्याकरण के नियमों से बँधकर पद बन जाता है।

(ख) स्रोत के आधार पर शब्दों के भेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

स्रोत के आधार पर शब्दों के भेद हैं–

1. **तत्सम शब्द** – वे शब्द जो संस्कृत से हिंदी में आकर उसी रूप में प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे– मयूर, घृत, दंत, पंच आदि।
2. **तद्भव शब्द** – वे शब्द जो संस्कृत शब्दों का ही बदला अथवा बिगड़ा हुआ रूप हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे– मोर, घी, दाँत, पाँच आदि।
3. **देशी या देशज शब्द** – जिन शब्दों की उत्पत्ति क्षेत्रीय बोलियों और भाषाओं से हुई है उन्हें देशज या देशी शब्द कहा जाता है। जैसे–झुग्गी, झोला, लोटा, पगड़ी, टाँग, जूता, खिचड़ी, भूखा आदि।
4. **विदेशी शब्द** – वे शब्द जिनका मूल भारतीय भाषाएँ न होकर, दूसरे देश की भाषाएँ हैं; ऐसे शब्द हिंदी में विदेशी शब्द कहे जाते हैं– कार, मोटर, अमीर, गरीब, कालीन, पिस्तौल, लीची, चाय, पुलिस, कार्टून आदि।

(ग) यौगिक और योगरूढ़ शब्द एक-दूसरे से भिन्न कैसे हैं?

वे शब्द जो दो या दो से अधिक मूल शब्दों के योग से बने हैं, यौगिक शब्द कहलाते हैं; जैसे– स्नानघर, बैलगाड़ी।

वे शब्द जो बनते तो दो स्वतंत्र शब्दों से हैं, लेकिन किसी विशेष के लिए रूढ़ हो जाते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे– हिमालय, दशानन, नीलकंठ ऐसे ही शब्द हैं जो क्रमशः पर्वत, रावण तथा शिव के लिए विशेष अर्थ में रूढ़ हो गए हैं।

(घ) अर्थ के आधार पर शब्दों के कौन-कौन से भेद हैं?

अर्थ के आधार पर शब्दों के कई भेद हैं– पर्यायवाची, विलोम, एकार्थी, अनेकार्थी शब्द एवं अनेक शब्दों के लिए एक शब्द आदि।

(ङ) पाँच ऐसे तत्सम शब्द लिखिए जिनका हम अकसर तद्भव के रूप में प्रयोग करते हैं।

तत्सम – 1. आम्र 2. अस्थि 3. दुग्ध 4. कपोत 5. नृत्य

तद्भव – 1. आम 2. हड्डी 3. दूध 4. कबूतर 5. नाच

2. निम्नलिखित शब्दों के सामने लिखिए कि वे किस विदेशी भाषा से संबंधित हैं।

(क) कागज़	**फ़ारसी**	(ख) साबुन	**पुर्तगाली**
(ग) आइना	**तुर्की**	(घ) गमला	**पुर्तगाली**
(ङ) फकीर	**अरबी**	(च) ताश	**तुर्की**
(छ) मोटर	**अंग्रेज़ी**	(ज) दावा	**फ़ारसी**
(झ) मालिक	**अरबी**		

3. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) एक ही अर्थ देने वाले शब्द **एकार्थी** कहलाते हैं।

(ख) **तद्भव** संस्कृत शब्दों का बदला हुआ रूप है।

(ग) समुच्चयबोधक **अविकारी** शब्द होते हैं।

(घ) अस्थि का तद्भव शब्द **हड्डी** है।

(ङ) मूल शब्दों के योग से बने शब्द **यौगिक शब्द** कहलाते हैं।

(च) कालीन हिंदी में **तुर्की** भाषा से आया है।

4. दिए गए रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों को सही स्थान पर लिखिए।

पानी हिमालय विद्यालय सेब स्नानघर
बर्फ़ पुस्तकालय पंकज जलज

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
पानी	विद्यालय	हिमालय
सेब	स्नानघर	पंकज
बर्फ़	पुस्तकालय	जलज

5. समझिए और संकर शब्द बनाइए।

(क) सील + **बंद** = **सीलबंद** (ख) फूल + **दान** = **फूलदान**

(ग) रेल + **गाड़ी** = **रेलगाड़ी** (घ) डाक + **घर** = **डाकघर**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) वे शब्द जिनमें किसी भी कारण से परिवर्तन नहीं होता, ऐसे शब्द हैं–

(i) विकारी ☐ (ii) अविकारी ☑ (iii) तत्सम ☐ (iv) एकार्थी ☐

(ख) 'देवालय' शब्द है–

(i) विदेशी ☐ (ii) देशज ☐ (iii) योगरूढ़ ☑ (iv) यौगिक ☐

(ग) पुर्तगाली शब्द नहीं है–

(i) कॉफ़ी ☑ (ii) तिजोरी ☐ (iii) बालटी ☐ (iv) गमला ☐

(घ) देशज शब्द है–

(i) धोती ☐ (ii) थैला ☐ (iii) खिड़की ☐ (iv) ताम्र ☑

रचनात्मक गतिविधि

कहानी के अंश को पढ़िए और उसमें आए शब्दों के भेद पहचानकर सही स्थान में लिखिए।

अलेक्सेई ने वह लेख तीन बार पढ़ा। उसका चेहरा चमक उठा। उसने निश्चय किया–'मैं उड़ूँगा और ज़रूर उड़ूँगा।' वह चारपाई पर बैठ कसरत करता। उसने अपने लिए कृत्रिम पैर बनवाए। वह सुबह, दोपहर और शाम कृत्रिम पैरों के बल पर चलने लगा। चार महीने अस्पताल में रहने के बाद अलेक्सेई को छुट्टी मिल गई। उसे स्वास्थ्य-लाभ के लिए मॉस्को के निकटवर्ती विमान सेवा स्वास्थ्य-गृह में भेज दिया गया। उसे वहाँ ले जाने के लिए कार भेजी गई थी। लेकिन उसने अधिकारियों को बताया कि वहाँ उसके कुछ रिश्तेदार हैं, वह उनसे मिले बिना नहीं जाएगा।

एक दिन वायुसेना के नियुक्ति विभाग का एक कमीशन आया। वह ऐसे स्वयंसेवकों को चुनने आया था, जो अपनी बीमारी की छुट्टी कम कर, फ़ौरन अपनी-अपनी टुकड़ियों में वापस जाना चाहते हों। अलेक्सेई भी कमीशन के सामने पेश हुआ। वह हाथों की पकड़, शरीर के गठन, श्वास शक्ति आदि में पास हो गया। डॉक्टर

अपना फ़ैसला लिखने लगा।

तत्सम – कृत्रिम, गृह, श्वास, शक्ति, स्वास्थ्य

तद्भव – पैर, लाभ

देशज – छुट्टी

विदेशी – कमीशन, डॉक्टर, मॉस्को, कार, कसरत, पेश

यौगिक – वायुसेना, चारपाई, स्वयंसेवक

योगरूढ़ – दोपहर

छात्र स्वयं करेंगे।

4. संज्ञा

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संज्ञा की परिभाषा दीजिए। संज्ञा के कितने भेद हैं?

जो शब्द किसी वस्तु, प्राणी, स्थान अथवा भाव का बोध कराते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेद– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञा।

(ख) जातिवाचक संज्ञा को कब व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयोग किया जा सकता है?

जब जातिवाचक संज्ञा शब्द किसी जाति का बोध न कराकर किसी विशेष व्यक्ति के लिए प्रयोग हो, तब वह जातिवाचक संज्ञा के स्थान पर व्यक्तिवाचक संज्ञा होती है। जैसे– महात्मा जी जैसा हर कोई नहीं बन सकता। (गांधी जी के लिए)

नेताजी वीर एवं देशभक्त थे। (सुभाष चंद्र बोस के लिए)

गांधी जी, नेताजी शब्द वैसे तो जातिवाचक संज्ञाएँ हैं, लेकिन विशिष्ट व्यक्तियों के साथ घनिष्ठता से जुड़ने के कारण ये शब्द यहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा का स्थान पा गए हैं।

(ग) भाववाचक संज्ञा कैसे बनाई जा सकती हैं? उदाहरण भी दीजिए।

भाववाचक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय शब्दों से बनती हैं। भाववाचक संज्ञा बनाते समय शब्दों के अंत में प्रायः पन, त्व, ता आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है। जैसे– मित्र – मित्रता; भ्रातृ – भ्रातृत्व; पराया – परायापन।

2. नीचे कुछ भाववाचक संज्ञाएँ दी गई हैं। बताइए कि वे किस प्रकार के शब्दों से बनी हैं।

'बुनाई' भाववाचक संज्ञा है। यह क्रिया शब्द बुनना से बनी है।

(क)	प्यास	**प्यासा**	(ख)	अपनापन	**अपना**
(ग)	चढ़ाई	**चढ़ना**	(घ)	कुरूपता	**कुरूप**
(ङ)	आकर्षण	**आकर्षक**	(च)	पढ़ाई	**पढ़ना**

(छ) बचपन **बच्चा** (ज) बचाव **बचना**

(झ) खेल **खेलना**

3. नीचे लिखे शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

(क) चुनना **चुनाव** (ख) रोना **रुलाई**

(ग) भोला **भोलापन** (घ) पुकारना **पुकार**

(ङ) उठना **उठान** (च) हँसना **हँसी**

(छ) खट्टा **खटाई** (ज) निज **निजत्व**

(झ) उड़ना **उड़ान** (ञ) गिरना **गिरावट**

(ट) मीठा **मिठास** (ठ) मूर्ख **मूर्खता**

4. नीचे दी गई भाववाचक संज्ञाओं से जातिवाचक संज्ञा बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) **बुढ़ापा** (ख) **चोरी** (ग) **बुराई** (घ) **उलझन**

छात्र वाक्य प्रयोग स्वयं करेंगे।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा है –

(i) उड़ान ☐ (ii) बचपन ☐ (iii) अहंकार ☐ (iv) लालच ☑

(ख) 'थकना' से भाववाचक संज्ञा बनेगी –

(i) थकान ☑ (ii) थक ☐ (iii) थकाऊ ☐ (iv) थका ☐

(ग) जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण नहीं है –

(i) शिशु ☐ (ii) ग्राम ☐ (iii) प्यास ☑ (iv) पंडित ☐

(घ) 'सेना' शब्द की संज्ञा का प्रकार है –

(i) द्रव्यवाचक ☐ (ii) समुदायवाचक ☑

(iii) व्यक्तिवाचक ☐ (iv) भाववाचक ☐

रचनात्मक गतिविधि

वर्ग पहेली में बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा से संबंधित 15 शब्द छिपे हैं। उन्हें रेखांकित कीजिए और उनका भेद भी लिखिए।

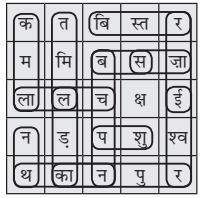

व्यक्तिवाचक – कान, कानपुर, कमला, तमिल

जातिवाचक – बिस्तर, बस, पशु, नथ, लड़का, रज़ाई, ईश्वर

भाववाचक – सज़ा, लालच, थकान, बचपन

नीचे दी गई पंक्तियों में आए संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए।

हरी-हरी दूब पर, ओस की बूँदें,
अभी थीं, अब नहीं हैं।
ऐसी खुशियाँ, जो हमेशा मानव का साथ दें
कभी नहीं थीं, कहीं नहीं हैं।
क्वार की कोख से, फूटा बाल सूर्य
जब पूरब की गोद में पाँव फैलाने लगा,
तो मेरी बगीची का, पत्ता-पत्ता जगमगाने लगा।
मैं उगते सूर्य को नमस्कार करूँ
या उसके ताप से भाप बनी,
ओस की बूँदों को ढूँढूँ?

5. लिंग

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) लिंग की परिभाषा बताते हुए– भेदों को स्पष्ट कीजिए।

शब्द का वह रूप जिससे उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चले, लिंग कहलाता है। हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद हैं– पुल्लिग और स्त्रीलिंग।

पुल्लिग – पुरुष जाति का बोध कराने वाले संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द पुल्लिग कहलाते हैं। जैसे– पंखा तेज़ चल रहा है।

स्त्रीलिंग – स्त्री जाति का बोध कराने वाले संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे– पेड़ पर बैठी चिड़िया उड़ गई।

(ख) सदा स्त्रीलिंग रहने वाले और सदा पुल्लिग रहने वाले पाँच-पाँच शब्द लिखिए।

सदा पुल्लिग शब्द– कीड़ा, बिच्छू, खरगोश, कौआ, भेड़िया।

सदा स्त्रीलिंग शब्द– गिलहरी, तितली, दीमक, मक्खी, मैना।

(ग) अप्राणिवाचक संज्ञाओं के लिंग की पहचान कैसे की जाती है?

अप्राणिवाचक संज्ञाओं के लिंग की पहचान वाक्य में प्रयोग के आधार पर होती है।

(घ) लिंग परिवर्तन का क्या प्रभाव पड़ता है?

सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया पर भी लिंग परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है। यदि संज्ञा पुल्लिग है तो सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया पुल्लिग होंगी और संज्ञा के स्त्रीलिंग होने पर सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया भी स्त्रीलिंग हो जाएँगी।

2. निम्नलिखित शब्दों में स्त्रीलिंग और पुल्लिग पहचानते हुए वर्गीकृत कीजिए।

नायक, नर्तक, कुरसी, नहर, तालाब, दही, पंखा, पुस्तक, प्रकाश, रोशनी, स्वप्न, अस्वस्थता, विश्वास, संवेदना, कृतज्ञता, प्राणी, कवि, विदुषी, गायक, अनुजा, भवदीय, नृत्यांगना, व्यक्ति, प्रशंसा

(क) **पुल्लिग –** नायक, नर्तक, तालाब, दही, पंखा, प्रकाश, स्वप्न, विश्वास, प्राणी, कवि, गायक, भवदीय, व्यक्ति

(ख) **स्त्रीलिंग** – कुरसी, नहर, पुस्तक, रोशनी, अस्वस्थता, संवेदना, कृतज्ञता, विदुषी, अनुजा, नृत्यांगना, प्रशंसा

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए।

(क) शिष्य	**शिष्या**	(ख) पाठक	**पाठिका**
(ग) बैल	**गाय**	(घ) इंद्राणी	**इंद्र**
(ङ) बुआ	**फूफा**	(च) स्वामी	**स्वामिनी**
(छ) खट्टा	**खट्टी**	(ज) भील	**भीलनी**
(झ) दाता	**दात्री**	(ञ) सेविका	**सेवक**
(ट) भाग्यशालिनी	**भाग्यशाली**	(ठ) चील	**नर चील**

4. सही एवं गलत वाक्यों को पहचानकर (✓) या (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) नदियों के नाम पुल्लिग होते हैं। ✗

(ख) पदसूचक शब्द दोनों लिंगों में समान रहते हैं। ✓

(ग) अप्राणिवाचक संज्ञा शब्द सदैव पुल्लिग होते हैं। ✓

(घ) सर्वनाम, विशेषण, क्रिया पर लिंग परिवर्तन का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। ✓

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किसके नाम सदैव पुल्लिग होते हैं–

(i) नदियों ☐ (ii) भाषाओं ☐ (iii) पर्वतों ☑ (iv) तिथियों ☐

(ख) 'जेठ' का स्त्रीलिंग किस प्रत्यय को जोड़कर बनेगा?

(i) इनी ☐ (ii) आनी ☑ (iii) ई ☐ (iv) नी ☐

(ग) 'बुद्धिमती' का सही पुल्लिग शब्द है–

(i) बुद्धिमान ☑ (ii) बुद्धिवान ☐

(iii) बुद्धिनी ☐ (iv) बुद्ध ☐

(घ) कौन-सा शब्द सदैव स्त्रीलिंग नहीं है?

(i) नर्मदा ☐ (ii) थकावट ☐ (iii) पानी ☑ (iv) रोमन ☐

रचनात्मक गतिविधि

दिए गए संकेतों को पढ़िए और शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

1. देव का स्त्रीलिंग
2. वह स्त्री जिसमें वीरता हो।
3. नाग का स्त्रीलिंग शब्द।
4. एक नदी का नाम।
5. दासी का पुल्लिग।
6. हेमा मेरी सगी बुआ है। (रंगीन शब्द का पुल्लिग)
7. गीत गाने वाली स्त्री का पुल्लिग।
8. एक बरतन जिसका स्त्रीलिंग 'ई' जोड़ने से बनता है।
9. राजा की पत्नी।
10. एक रंग का नाम, जो पुल्लिग है।

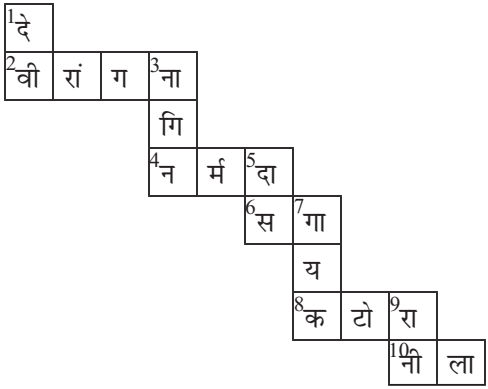

6. वचन

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वचन से आप क्या समझते हैं?

संज्ञा या सर्वनाम के उस रूप को वचन कहते हैं, जो उसके एक अथवा एक से अधिक होने का बोध कराता है।

(ख) वचन के भेदों को उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

वचन के दो भेद हैं– एकवचन और बहुवचन

एकवचन – एक वस्तु अथवा प्राणी का बोध कराने वाले संज्ञा/सर्वनाम शब्द एकवचन की श्रेणी में आते हैं। जैसे– संतरा खट्टा निकला।

बहुवचन – एक से अधिक प्राणियों एवं वस्तुओं का बोध कराने वाले संज्ञा/सर्वनाम शब्द बहुवचन कहलाते हैं। जैसे– संतरे खट्टे निकले।

(ग) क्या वचन बदलने का प्रभाव संज्ञा अथवा क्रिया पर पड़ता है?

हाँ, वचन के बदलने का प्रभाव संज्ञा अथवा क्रिया पर पड़ता है।

(घ) 'ऊकारांत' शब्दों के बहुवचन बनाते समय क्या परिवर्तन आता है?

ऊकारांत शब्दों के बहुवचन बनाते समय 'ऊ' की मात्रा (ू) 'उ' की मात्रा (ु) में बदल जाती है तथा स्त्रीलिंग शब्दों में 'एँ' जोड़ते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों का वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) बंदर केला खा रहा है। **बंदर केले खा रहे हैं।**

(ख) मकड़ी जाला बना रही है। **मकड़ियाँ जाले बना रही हैं।**

(ग) रोगी दवा पीकर सो गया। **रोगी दवा पीकर सो गए।**

(घ) नाव डूबने से दस लोग मारे गए। **नावें डूबने से दस लोग मारे गए।**

(ङ) यह दवाई बहुत महँगी है। **ये दवाइयाँ बहुत महँगी हैं।**

(च) मेरी पतंग आसमान में ऊँचाई पर पहुँच गई।

हमारी पतंगें आसमान में ऊँचाई पर पहुँच गईं।

(छ) हमें समाज से बुरी रीति को दूर करना होगा।

हमें समाज से बुरी रीतियों को दूर करना होगा।

(ज) चिड़िया जाल में फँस गई।

चिड़ियाँ जाल में फँस गईं।

3. वचन बदलिए।

(क)	लहर	**लहरें**	(ख)	वस्तुएँ	**वस्तु**
(ग)	विधि	**विधियाँ**	(घ)	गुरु	**गुरुजन**
(ङ)	पतंग	**पतंगें**	(च)	गुड़ियाँ	**गुड़िया**
(छ)	बस्ता	**बस्ते**	(ज)	खिड़की	**खिड़कियाँ**
(झ)	बस	**बसें**	(ञ)	पाठक	**पाठकगण**
(ट)	नाव	**नावें**	(ठ)	मकड़ी	**मकड़ियाँ**

4. वाक्यों में वचन संबंधी अशुद्धियाँ दूर कर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) हमने समाचारों को पढ़ लिया है। **हमने समाचार पढ़ लिए हैं।**

(ख) मैंने हाथ फैला दिया हैं। **मैंने हाथ फैला दिए हैं।**

(ग) उसने हस्ताक्षर कर दिया। **उसने हस्ताक्षर कर दिए।**

(घ) वह अनेकों बार पकड़ा गया है। **वह अनेक बार पकड़ा गया है।**

(ङ) इस संसार में भला लोग भी हैं। **इस संसार में भले लोग भी हैं।**

(च) गर्मियाँ की छट्टियाँ में हम मनाली जाएँगे।

गर्मियों की छुट्टियों में हम मनाली जाएँगे।

(छ) पंडित जी ने एक पौराणिक कथाएँ सुनाई।

पंडित जी ने एक पौराणिक कथा सुनाई।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) ईकारांत शब्दों के बहुवचन बनाने पर उनके अंत में हो जाता है–

(i) इया ☐ (ii) इयाँ ☑ (iii) याँ ☐ (iv) इएँ ☐

(ख) 'दर्शक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय जोड़कर बहुवचन बनेगा?

(i) गण ☑ (ii) वृंद ☐ (iii) वर्ग ☐ (iv) जन ☐

(ग) परसर्ग रहित एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रहने वाला शब्द है–

(i) जाति ☐ (ii) लोटा ☐

(iii) गायक ☑ (iv) कुटिया ☐

(घ) किस शब्द का वचन परिवर्तन ठीक नहीं हुआ है?

(i) बिटियाँ	☐	(ii) लताएँ	☐
(iii) लोमड़ियाँ	☐	(iv) दवाईयाँ	☑

रचनात्मक गतिविधि

वचन परिवर्तन करके गद्यांश दोबारा लिखिए।

हर मानव की कुछ इच्छाएँ और आवश्यकताएँ होती हैं। वह सुख शांति की कामना करता है, किंतु कल्पना से ही सब कार्य सिद्ध नहीं हो जाते। इसके लिए श्रम करना पड़ता है। जैसे सोए हुए शेर के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नहीं करता, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नहीं होते उनके लिए परिश्रम करना पड़ता है। परिश्रम ही जीवन की सफलता का रहस्य है। कहा जाता है कि ईश्वर भी उन्हीं की मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करते हैं। सफलता की राह के प्रथम चरण में ही कई कदम ठिठक जाते हैं। शंका, भय, निराशा के कई रोड़े अनजाने में उन्हें असफल कर देते हैं। आँखें तो सभी के पास होती हैं पर यथार्थ को समझने की दृष्टि भी सबके पास हो, ज़रूरी नहीं। जहाँ संशय होगा, विनाश को स्वत: आमंत्रण मिल जाएगा। सफलता और असफलता, आशा और निराशा का स्रोत विचार ही है। विचार जगाता है तो व्यक्ति जाग जाता है। विश्वास, आशा के पथ से गुज़रकर सफलता तक जाता है जबकि संशय, निराशा के पथ से गुज़रकर असफलता को पक्का कर देता है।

मानव की कुछ इच्छा और आवश्यकता होती है। वे सुख शांति की कामनाएँ करते हैं, किंतु कल्पना से ही सभी कार्यों की सिद्धि नहीं हो पाती। इनके लिए श्रम करना पड़ता है। जैसे सोए हुए शेरों के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नहीं करते, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नहीं होते। उसके लिए परिश्रम करना पड़ता है। परिश्रम ही जीवन की सफलताओं का रहस्य है। कहा जाता है कि ईश्वर भी उसी की मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करता है। सफलता की राह के प्रथम चरण में ही एक कदम ठिठक जाता है। शंका, भय, निराशा का एक रोड़ा अनजाने में उसे असफल कर देता है। आँख तो सभी के पास होती है पर यथार्थ को समझने की दृष्टि भी सबके पास हो, ज़रूरी नहीं। जहाँ संशय होंगे, विनाश को स्वत: आमंत्रण मिल जाएगा। सफलताओं और असफलताओं, आशाओं और निराशाओं का स्रोत विचार ही है। विचार जगाते हैं तो व्यक्ति जाग जाते हैं। विश्वासों, आशाओं के पथों से गुज़रकर सफलता तक जाता है जबकि संशय, निराशा के पथ से गुज़रकर असफलता को पक्का कर देते हैं।

7. कारक

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कारक किसे कहते हैं?

संज्ञा या सर्वनाम का जो रूप क्रिया के साथ संज्ञा या सर्वनाम का संबंध बताए, उसे कारक कहते हैं।

(ख) कारक के भेदों के नाम परसर्ग सहित लिखिए।

कारक के भेद	परसर्ग/चिह्न
1. कर्ता कारक	0, ने
2. कर्म कारक	0, को
3. करण कारक	से/के द्वारा, के साथ
4. संप्रदान	के लिए/को/के वास्ते
5. अपादान कारक	से अलग/से
6. संबंध कारक	का/के/की/रा/रे/री
7. अधिकरण कारक	में/पर
8. संबोधन कारक	हे/अरे/ऐ

(ग) कर्म कारक और संप्रदान कारक में अंतर बताइए।

कर्म कारक और संप्रदान कारक दोनों का विभक्ति चिह्न 'को' है। कर्म कारक में 'को' कर्म के लिए आता है जबकि संप्रदान कारक में 'को' का प्रयोग कुछ देने के भाव में होता है। जैसे–

कर्म कारक – पिता जी ने गौरव को बुलाया।

संप्रदान कारक – पिता जी ने गौरव को पुस्तक दी।

(घ) कर्ता, कर्म और अधिकरण कारकों के परसर्ग रहित प्रयोग के उदाहरण दीजिए।

कर्ता कारक – रजनी कपड़े धो रही है।

गजेंद्र तबला बजाने लगा।

कर्म कारक – पुलिस ने चोर पकड़ लिया।
रुको, पेड़ मत काटो।
अधिकरण कारक – हमने गली-गली घूमकर सामान बेचा।

2. वाक्यों में रंगीन शब्दों के कारक पहचानकर लिखिए।

(क) **पेड़ से** फल गिरा। **अपादान**

(ख) **फूलों से** स्वागत करो। **करण**

(ग) **मजिस्ट्रेट से** कागज़ ले लो। **अपादान**

(घ) सीता ने **राम से** कहा। **करण**

(ङ) भूखे **आदमी को** भोजन खिलाओ। **संप्रदान**

(च) रीमा **आकांक्षा से** लंबी है। **अपादान**

(छ) **अरे!** उधर कहाँ जा रहे हो? **संबोधन कारक**

3. कर्म कारक और संप्रदान कारक के दो-दो वाक्य लिखिए।

(क) कर्म कारक (को) **वाक्य छात्र स्वयं बनाएँगे।**

(ख) संप्रदान कारक (को, के लिए)

4. दिए गए वाक्यों में करण कारक तथा अपादान कारक पहचानिए।

(क) माँ ने चावल से खीर बनाई। **करण कारक**

(ख) पहाड़ों से झरना बहता है। **अपादान कारक**

(ग) रवि अँधेरे से डरता है। **अपादान कारक**

(घ) कृष्ण के द्वारा कंस का वध हुआ। **करण कारक**

(ङ) मैं कल दिल्ली से बाहर जा रहा हूँ। **अपादान कारक**

(च) बच्ची गुड़िया से खेलती है। **करण कारक**

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'राम मोहन से चतुर है।' रेखांकित पदों का कारक है –

(i) करण ☐ (ii) अपादान ☑ (iii) संबंध ☐ (iv) अधिकरण ☐

(ख) संप्रदान कारक में 'के लिए' का भाव है –

(i) देना ☑ (ii) लेना ☐ (iii) होना ☐ (iv) अलगाव ☐

(ग) कौन-सा कारक चिह्न क्रिया के साधन को दर्शाता है?

(i) को ☐ (ii) नी ☐ (iii) से ☑ (iv) पर ☐

(घ) अधिकरण कारक दर्शाता है, क्रिया का –

(i) संबंध ☐ (ii) साधन ☐ (iii) कर्ता ☐ (iv) आधार ☑

रचनात्मक गतिविधि

दी गई कविता में आए कारकों में रेखांकित कीजिए।

राणा प्रताप के घोड़े से
पड़ गया हवा का पाला था।
गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।

राणा की पुतली फिरी नहीं
तब तक चेतक मुड़ जाता था।
बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया, फिर ठहर गया।

विकराल वज्रमय बादल-सा
अरि की सेना पर घहर गया।
भाला गिर गया, गिरा निषंग,
हय टापों से खन गया अंग।

बैरी समाज रह गया दंग
घोड़े का देख ऐसा रंग।

8. सर्वनाम

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

'सर्वनाम' यानी सबका नाम। संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे– मैं कल खेलने जाऊँगा। यहाँ 'मैं' शब्द सर्वनाम है।

(ख) सर्वनामों का भाषा में क्या महत्त्व है?

सर्वनाम से भाषा का सौंदर्य बना रहता है। इससे भाषा में संक्षिप्तता आती है तथा भाषा प्रभावशाली बन जाती है। संज्ञा स्त्रीलिंग हो या पुल्लिंग सर्वनाम का रूप नहीं बदलता।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं– उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुष।

उत्तम पुरुष – बोलने वाले यानी वक्ता के लिए प्रयोग होने वाले सर्वनाम। जैसे– मैं, हम, मेरा, हमारा आदि।

मध्यम पुरुष – सुनने वाले यानी श्रोता के लिए प्रयोग होने वाले सर्वनाम। जैसे– तुम, तुम्हारा, आप आदि।

अन्य पुरुष – वक्ता-श्रोता के अतिरिक्त अन्य के लिए प्रयोग होने वाले सर्वनाम। जैसे– वह, वे, उसे आदि।

(घ) अन्य पुरुष सर्वनाम और निश्चयवाचक सर्वनाम में अंतर बताइए।

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम तथा निश्चयवाचक सर्वनाम दोनों में 'वह' सर्वनाम का प्रयोग होता है। 'वह' का प्रयोग अन्य पुरुष में किसी तीसरे व्यक्ति या वस्तु के लिए होता है जबकि निश्चयवाचक में 'वह' किसी निश्चित वस्तु, व्यक्ति की ओर संकेत करता है।

(ङ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम और निश्चयवाचक सर्वनाम में अंतर बताइए।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम शब्द किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द हैं। जैसे– कोई, कुछ, किसी।

निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु या स्थान की ओर संकेत करते हैं। जैसे– यह, वह, वे।

(च) संबंधवाचक सर्वनाम को स्पष्ट कीजिए।

किसी अन्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम के साथ संबंध बताने के लिए प्रयोग होने वाले सर्वनाम शब्दों को संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जिसने-उसे, जो-वही, जिसका-उसे आदि।

2. सर्वनाम शब्दों को छाँटिए और उनके भेद लिखिए।

	सर्वनाम	**भेद**
(क) कोई तो सामने आएगा।	**कोई**	**अनिश्चयवाचक**
(ख) ईश्वर तू ही मेरा आसरा है।	**तू, मेरा**	**पुरुषवाचक**
(ग) अधिकारी ने स्वयं जाँच की।	**स्वयं**	**निजवाचक**
(घ) कुछ तो बताओ।	**कुछ**	**अनिश्चयवाचक**
(ङ) अमित ने कहा, "भूख लगी है, कुछ खिलाओ।"	**कुछ**	**अनिश्चयवाचक**
(च) तुम्हारी घड़ी यह नहीं है।	**तुम्हारी, यह**	**पुरुषवाचक, निश्चयवाचक**
(छ) वहाँ कौन है, अंदर आ जाओ।	**कौन**	**प्रश्नवाचक**
(ज) आप क्या खाएँगे?	**क्या**	**प्रश्नवाचक**
(झ) वह थैला दो, जिसमें सामान था।	**वह, जिसमें**	**संबंधवाचक**
(ञ) मेरा एक भाई है, जो विदेश में है।	**मेरा, जो**	**संबंधवाचक**

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए।

(क) सर्वनाम सदा संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं। ✓

(ख) सर्वनाम शब्दों का प्रयोग विशेषण के रूप में नहीं हो सकता। ✗

(ग) 'कोई' सर्वनाम का प्रयोग प्राणिवाचक संज्ञाओं के स्थान पर ही होता है। ✓

(घ) 'कुछ' सर्वनाम का प्रयोग विशेषण के रूप में नहीं हो सकता। ✗

4. उचित सर्वनाम भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) कोमल शरारती है **उसे** समझाओ।

(ख) **तुमने** कमाल कर दिया, अब तक कहाँ थे?

(ग) **उसके** साथ मत जाना, वह **तुम्हें** परेशान करेगी।

(घ) भाइयो, **आप** अपने हक के लिए आगे बढ़ें।

5. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम संबंधी अशुद्धि ठीक कर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) वह कौन का स्कूटर है?	**वह किसका स्कूटर है?**
(ख) कोई मेरी पतंग है।	**यह पतंग मेरी है।**
(ग) तुम कल खाने पर आइए।	**आप कल खाने पर आइए।**
(घ) माँ, घर आए अतिथि कुछ थे?	**माँ, घर आए अतिथि कौन थे?**
(ङ) आपके भोजन कहाँ है?	**आपका भोजन कहाँ है?**
(च) तुम तुम्हारा काम करो।	**तुम अपना काम करो।**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम है –

(i) कैसा ☐ (ii) कौन ☐ (iii) वे ☐ (iv) किसी ☑

(ख) बड़प्पन दिखाने के लिए एकवचन में भी कौन-सा बहुवचन सर्वनाम प्रयोग करते है?

(i) आप ☐ (ii) हम ☑ (iii) तुम ☐ (iv) किन्हीं ☐

(ग) _____ कल मुरादाबाद जाऊँगा। – रिक्त स्थान में सर्वनाम आएगा –

(i) वह ☐ (ii) कोई ☐ (iii) मैं ☑ (iv) कौन ☐

(घ) निजवाचक सर्वनाम का प्रयोग _____ के लिए होता है।

(i) वक्ता ☑ (ii) श्रोता ☐ (iii) अन्य ☐ (iv) सब ☐

रचनात्मक गतिविधि

कविता की पंक्तियों में आए रंगीन सर्वनामों का उचित रूप पहचानकर लिखिए।

घर लौट रहा था दफ़्तर से **मैं** बेहद थका हुआ, **पुरुषवाचक**

मन भरा हुआ था **मेरा** कुछ, ज्यों फल पका हुआ। **पुरुषवाचक**

देख रहा था शाम की दुनिया, खूबसूरत हरी-भरी,

लोगों के चेहरों पर भी सुंदर संध्या थी उतरी।

तभी लगा **यह** जैसे कहीं **कोई** बजा हो सुंदर साज, **निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक**

याद आ गई **मुझे अपनी** माँ की मीठी आवाज़। **पुरुषवाचक, निजवाचक**

घूम रहा था **मैं अपनी** नन्ही बिटिया के साथ, **पुरुषवाचक, निजवाचक**

थामे हुए हाथ में अपने **उसका** छोटा-सा हाथ। **निश्चयवाचक**

तभी अचानक **वह** हँसी ज़ोर से, ज्यों गूँजा संगीत, **निश्चयवाचक**

लगा, स्मृति से मेरी भी झरा है **कोई** जल-गीत। **अनिश्चयवाचक**

वही धुन थी, वही स्वर था **उसका**, वही था अंदाज, **निश्चयवाचक**

कानों में बज रही थी **मेरी** माँ की मीठी आवाज़। **पुरुषवाचक**

कविता की इन पंक्तियों में उचित सर्वनाम भरिए।

तेरे हमको तेरी हमारे मैं तेरा तू तेरा

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा आँचल पकड़-पकड़ कर,
फिरूँ सदा माँ **तेरे** साथ,
कभी न छोड़ूँ **तेरा** हाथ
बड़ा बनाकर पहले **हमको**
तू पीछे छलती है माँ!
हाथ पकड़कर फिर सदा **हमारे**,
साथ नहीं फिरती दिन-रात।

9. विशेषण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विशेषण की परिभाषा दीजिए।

संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

(ख) प्रविशेषण को स्पष्ट कीजिए।

जो शब्द विशेषण की भी विशेषता बताए, ऐसे शब्दों को प्रविशेषण कहा जाता है।

(ग) विशेषणों की अवस्थाएँ कौन-कौन सी हैं? उदाहरण सहित बताइए।

विशेषण की तीन अवस्थाएँ हैं – मूलावस्था, उत्तरावस्था और उत्तमावस्था।
जैसे– महान, महानतर, महानतम लघु, लघुतर, लघुतम

(घ) विशेष्य किसे कहते हैं?

विशेषण जिनकी विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

(ङ) सार्वनामिक विशेषण और सर्वनाम में क्या अंतर है?

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला शब्द सर्वनाम होगा जबकि संज्ञा के साथ प्रयुक्त होने वाला सर्वनाम शब्द जो संज्ञा की विशेषता बताने का कार्य करता है, सार्वनामिक विशेषण होता है।

(च) विशेषण पर पड़ने वाले कोई दो प्रभाव बताइए।

1. विशेषण पर कर्ता और कर्म के लिंग एवं वचन का प्रभाव पड़ता है।
   जैसे– बड़ा भाई – बड़ी बहन मीठा आम – मीठे संतरे
2. आकारांत विशेषण पुल्लिग विशेष्य के एकवचन रूप के साथ प्रयुक्त होता है। जैसे– भोला लड़का लंबा पेड़

2. नीचे लिखे वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण संख्यावाचक हैं या परिमाणवाचक लिखिए।

(क) उसने तीन शाल खरीदे।	**संख्यावाचक**
(ख) वह दो मीटर कपड़ा ले आई।	**परिमाणवाचक**
(ग) उसे थोड़ा दूध चाहिए।	**परिमाणवाचक**
(घ) इतने सारे फलों का क्या करोगे?	**संख्यावाचक**

(ङ) कमीज़ के लिए दो मीटर कपड़ा चाहिए। **परिमाणवाचक**

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रविशेषण का प्रयोग कर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) तुमने सुंदर तस्वीर बनाई। **तुमने कितनी सुंदर तस्वीर बनाई।**

(ख) तुम्हारी पसंद अच्छी है। **तुम्हारी पसंद बहुत अच्छी है।**

(ग) मैंने ऊपरी मंज़िल खरीदी। **मैंने सबसे ऊपरी मंज़िल खरीदी।**

(घ) अच्छा उपहार लेकर आओ। **अधिक अच्छा उपहार लेकर आओ।**

4. विशेषणों को रेखांकित कीजिए और उनके भेदों के नाम लिखिए।

(क) रतन अपनी <u>सुंदर</u> घड़ी बेच आया। **गुणवाचक**

(ख) <u>थोड़े से</u> पानी से क्या होगा? **अनिश्चित परिमाणवाचक**

(ग) जो किया है <u>वही</u> दंड भुगतोगे। **सार्वनामिक विशेषण**

(घ) <u>डेढ़</u> दिन का काम रह गया। **निश्चित संख्यावाचक**

(ङ) <u>सारा</u> तेल गिर गया, अब क्या करें? **अनिश्चित परिमाणवाचक**

(च) <u>उदास</u> बालक रो पड़ा। **गुणवाचक**

5. विशेषण बनाइए।

(क) दया	**दयावान/दयालु**	(ख) भूख	**भूखा**
(ग) नगर	**नागरिक**	(घ) काँटा	**कँटीला**
(ङ) कौन	**कैसा**	(च) टिकना	**टिकाऊ**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) संज्ञा से बनने वाला विशेषण है –

(i) टिकाऊ ☐ (ii) रसीला ☑ (iii) आपका ☐ (iv) बाहरी ☐

(ख) कौन-सा विशेषण संज्ञा का कार्य कर रहा है?

(i) ईमानदार ☐ (ii) कोमल ☐ (iii) वीरों ☑ (iv) हर्षित ☐

(ग) 'सभी यात्री _____ तूफान में फँस गए।' उचित विशेषण से रिक्त स्थान भरिए –

(i) भयानक ☑ (ii) कठोर ☐ (iii) लघु ☐ (iv) कुटिल ☐

रचनात्मक गतिविधि

निम्नलिखित विशेषणों के लिए वर्ग में से उचित संज्ञा या सर्वनाम शब्द छाँटिए।

भव्य संकरी खिली महा खट्टी कीमती स्वादिष्ट
लखनवी शैतान सच्ची पका गर्म दानी

विशेषण	शब्द	विशेषण	शब्द
भव्य	महल	संकरी	गली
खिली	कलियाँ	महा	नगर
खट्टी	इमली	कीमती	कंगन
स्वादिष्ट	हलवा	लखनवी	नवाब
शैतान	लड़का	सच्ची	गवाही
पका	कटहल	गर्म	रजाइयाँ

न	गे	र	हीं	म	ट
वा	वा	जा	कं	ग	न
ब	ही	इ	मा	ली	क
क	लि	याँ	ह	ल	वा
क	ट	ह	ल	ड़	का

10. क्रिया

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) धातु किसे कहते हैं?

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

(ख) अकर्मक और सकर्मक क्रिया में अंतर बताइए।

अकर्मक क्रिया में कर्म नहीं होता और न ही उसकी अपेक्षा होती है तथा क्रिया का फल कर्ता पर पड़ता है। जैसे–नर्तकी नाच रही है।

सकर्मक क्रिया में क्रिया का फल कर्ता पर नहीं कर्म पर पड़ता है। जैसे– सोनू घड़ा भरकर लाओ।

(ग) द्विकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

जिन क्रियाओं में दो कर्म हों, वहाँ द्विकर्मक क्रिया होती है। जैसे– तुम उसे रुपए लौटा दो। इस वाक्य में–

क्या लौटा दो – रुपए, किसे लौटा दो – उसे दो कर्म हैं।

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया क्या होती है? उसके दोनों भेदों को उदाहरण के साथ समझाइए।

जहाँ कर्ता क्रिया स्वयं नहीं करता बल्कि दूसरे को करने के लिए प्रेरित करता है। उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। जैसे– ललित ने बच्चे को सुलाया।

प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया– जब कर्ता क्रिया से सीधे तौर पर जुड़ा हो तो उसे प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। जैसे– बहन भाई को राखी बाँधती है। यहाँ कर्ता (बहन) बाँधना क्रिया से सीधा जुड़ा है।

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया– जब कर्ता खुद क्रिया न करके दूसरे को कार्य (क्रिया) करने के लिए प्रेरित करता है, तो क्रिया द्वितीय प्रेरणार्थक कहलाती है। जैसे– प्राची लड़के से खाना मँगवाती है। यहाँ कर्ता (प्राची) ने स्वयं कार्य नहीं किया बल्कि दूसरे को करने के लिए कहा।

(ङ) संयुक्त क्रिया और पूर्वकालिक क्रिया में अंतर बताइए।

संयुक्त क्रिया में एक से अधिक क्रिया पद होते हैं। ये क्रियाएँ मिलकर एक ही क्रिया को पूर्ण करती हैं। जैसे–परेश जूस लेने गया था। इस वाक्य में 'लेने गया था' संयुक्त क्रिया है।

जो क्रिया मुख्य क्रिया से पहले संपन्न हो जाती है, वह पूर्वकालिक क्रिया कहलाती है। जैसे–व्यक्ति ने भागकर बस पकड़ी। इसमें 'भागकर' पूर्वकालिक क्रिया है।

2. क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए और अकर्मक या सकर्मक के रूप में भेद कीजिए।

(क) राधिका गई। **अकर्मक**

(ख) हम फिर मिलेंगे। **अकर्मक**

(ग) राणाप्रताप वीरता से लड़े। **अकर्मक**

(घ) साइकिल की घंटी बजी। **सकर्मक**

(ङ) मैंने सुरेश को पत्र लिखा। **सकर्मक**

(च) अब चलें। **अकर्मक**

(छ) देर रात में सियार रोने लगे। **अकर्मक**

(ज) वह हँसते-हँसते रोने लगा। **अकर्मक**

3. नीचे दी गई क्रियाओं से प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाइए।

	प्रथम प्रेरणार्थक	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
(क) रोना	**रुलाना**	रुलवाना
(ख) बोलना	**बुलाना**	बुलवाना
(ग) लड़ना	**लड़ाना**	लड़वाना
(घ) ठहरना	**ठहराना**	ठहरवाना
(ङ) नाचना	**नचाना**	नचवाना
(च) चलना	चलाना	**चलवाना**
(छ) बैठना	बैठाना	**बैठवाना/बिठवाना**
(ज) जगना	जगाना	**जगवाना**

4. निम्नलिखित वाक्यों में सहायक क्रियाएँ रेखांकित कीजिए।

(क) सभी मिलकर गड्ढा खोद रहे थे।

(ख) अकाल में पशु-पक्षी भी प्यासे मरते हैं।

(ग) शेखचिल्ली की सब हँसी उड़ाते हैं।

(घ) मैंने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया था।

(ङ) रोगी बिस्तर से उठ खड़ा हुआ।

(च) वह दो घंटे तक दौड़ता रहा।

5. निम्नलिखित क्रियाओं को पूर्वकालिक क्रिया के रूप में प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

(क) **सोना** – वह सोकर उठेगा, तब पढ़ेगा।

(ख) **बचना** – गलत कामों से बचकर रहना चाहिए।

(ग) **डरना** – रोहन डरकर भाग गया।

(घ) **बहना** – सारा कूड़ा बहकर नाली में चला गया।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण से बनने वाली क्रिया है –

(i) संयुक्त ☐ (ii) पूर्वकालिक ☐

(iii) नामधातु ☑ (iv) एककर्मक ☐

(ख) अकर्मक क्रिया नहीं है –

(i) पढ़ना ☑ (ii) सोना ☐ (iii) नहाना ☐ (iv) रोना ☐

(ग) द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया है –

(i) डराना ☐ (ii) चलाना ☐ (iii) फटना ☐ (iv) सुनवाना ☑

(घ) अकर्मक क्रिया से बनी सकर्मक क्रिया है –

(i) खिलवाना ☐ (ii) लिखवाना ☐

(iii) पढ़ाना ☑ (iv) उठवाना ☐

रचनात्मक गतिविधि

दी गई सभी धातुएँ अकर्मक हैं। उन्हें सकर्मक क्रिया के रूप में प्रयोग करते हुए एक लघु कहानी लिखिए।

चल	नहा	दौड़	उड़	सो	बैठ	हँस	चमक	गिर
		आ	जा	वह	तैर	काँप		

बच्चे स्वयं करें।

11. काल

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) काल की परिभाषा दीजिए।

क्रिया के होने या करने के समय को काल कहते हैं।

(ख) भूतकाल के सभी भेदों के नाम उदाहरण सहित लिखिए।

भूतकाल के भेद–

1. **सामान्य भूतकाल–** मेहमान चले गए।
2. **आसन्न भूतकाल–** मेहमान चले गए हैं।
3. **पूर्ण भूतकाल–** वृद्ध बेहोश हो चुका था।
4. **अपूर्ण भूतकाल–** चूड़ीवाला चूड़ियाँ बेच रहा था।
5. **संदिग्ध भूतकाल–** बाज़ार बंद हो गया होगा।
6. **हेतुहेतुमद् भूतकाल–** आप आते, तो हम साथ चलते।

(ग) अपूर्ण वर्तमान काल कब होता है?

अपूर्ण वर्तमान काल में क्रिया आरंभ तो होती है लेकिन पूर्ण नहीं होती। उसके जारी रहने की सूचना होती है। इसमें वाक्य के अंत में 'रहा है', 'रही है', 'रहे हैं' आता है।

(घ) आसन्न भूतकाल को स्पष्ट कीजिए।

इस काल में लगता है कि क्रिया अभी-अभी संपन्न हुई है, इसलिए इस क्रिया के काल को आसन्न भूतकाल कहते हैं। ये क्रियाएँ शुरू भी भूतकाल में होती हैं और संपन्न भी।

(ङ) संदिग्ध भविष्यत् काल और संदिग्ध वर्तमान काल में अंतर बताइए।

संदिग्ध भविष्यत् काल में क्रिया के आने वाले समय में होने की संभावना होती है लेकिन निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जाता।

संदिग्ध वर्तमान काल में क्रिया के होने या न होने के विषय में संदेह रहता है। इसमें वाक्य के अंत में 'रहा होगा', 'रही होगी', 'गई होगी' आदि शब्द आते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं के काल का भेद लिखिए।

(क) हवा धीरे-धीरे बह रही है। **अपूर्ण वर्तमान काल**

(ख) उसे भूख नहीं लगी। **सामान्य भूतकाल**

(ग) शेर मांसाहारी जीव है। **सामान्य वर्तमान काल**

(घ) तुम जाने कब सुधरोगे? **संभाव्य भविष्यत् काल**

(ङ) खेत जुत चुका था। **पूर्ण भूतकाल**

(च) शायद कल बादल रहें। **संभाव्य भविष्यत् काल**

3. निर्देशानुसार काल के भेद के अनुसार क्रियाओं का उचित रूप भरिए।

(क) शायद पिता जी जल्दी घर **आएँ**। (आना, संदिग्ध भविष्यत् काल)

(ख) चित्रकार चित्र **बना रहा था**। (बनाना, अपूर्ण भूतकाल)

(ग) हनी पढ़कर खेल **रहा होगा।** (खेलना, संदिग्ध वर्तमान)

(घ) आकाश में ज़ोर की बिजली **चमक रही है**। (चमक, अपूर्ण वर्तमान)

(ङ) वह अभी-अभी **गया है**। (जाना, आसन्न भूत)

4. काल के निम्नलिखित भेदों के लिए एक-एक उदाहरण लिखिए।

(क) हेतुहेतुमद भूतकाल	आप आते, तो हम साथ चलते।
(ख) अपूर्ण भूतकाल	फुटबॉल मैच चल रहा था।
(ग) सामान्य भविष्यत् काल	वह पुस्तक खरीदेगा।
(घ) संदिग्ध वर्तमान काल	बावर्ची खाना बना रहा होगा।
(ङ) अपूर्ण वर्तमान काल	शालू छोटे भाई को पढ़ा रही है।
(च) संभाव्य भविष्यत् काल	शायद बुआ चली ही जाएँ।

5. वाक्यों को पढ़िए और उनके काल से मिलाइए।

(क) मैंने कविता पढ़ी।	संभाव्य भविष्यत् काल
(ख) हो सकता है, मैं ना आ पाऊँ।	पूर्ण भूतकाल
(ग) माँ आ रही होंगी।	सामान्य भूतकाल
(घ) मीनल अच्छी तैराकी करती थी।	अपूर्ण वर्तमान काल
(ङ) सोनल विद्यालय जा रही है।	संदिग्ध वर्तमान

6. निम्नलिखित कथनों में सही (✓) या गलत (✗) चुनिए।

(क) पूर्ण वर्तमान जैसा कोई काल नहीं होता। ✓

(ख) हेतुहेतुमद काल, काल के दो रूपों में पाया जाता है। ✓

(ग) संभाव्य भविष्यत् काल को संदिग्ध भविष्यत् काल भी कहा जा सकता है। ✓

(घ) भूतकाल में जब क्रिया संपन्न नहीं हुई हो, तो वह अपूर्ण भूतकाल होता है। ✓

(ङ) जब निश्चित हो कि कार्य वर्तमान में हो गया है, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं। ✗

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) अपूर्ण वर्तमान काल का उदाहरण है–

(i) सोता है ☐ (ii) सो रहा है ✓

(iii) सोया ☐ (iv) सोएगा ☐

(ख) 'गया था' भूतकाल के किस भेद की पहचान है?

(i) सामान्य ☐ (ii) आसन्न ☐ (iii) पूर्ण ✓ (iv) हेतुहेतुमद ☐

(ग) किसमें सामान्य भविष्यत् काल है?

(i) आज गए थे ☐ (ii) कभी आना ☐

(iii) आज आया ☐ (iv) आज आएगा ✓

रचनात्मक गतिविधि

तीनों कालों का प्रयोग करते हुए एक लघु कहानी/कविता अथवा अपना कोई अनुभव लिखिए।

एक कौआ था। वह डाल पर बैठकर अपनी ही धुन में काँव-काँव करता था। सभी जानवर और पक्षी उसका मजाक उड़ाते थे। वह कोयल की तरह गाना सुनाकर सबका मनोरंजन करना चाहता था। लेकिन उसकी बेसुरी आवाज़ सभी जानवरों को बोलने के लिए मज़बूर कर देती थी।

एक दिन वह डाल पर बैठा बहुत ही दुखी मन से सोच रहा था कि कोयल भी

काली मैं भी काला; सब लोग उसे पसंद क्यों करते हैं। उसकी आँखों से आँसू टपकने लगे।

एक दिन शाम का समय था। सभी जानवर अपने ठिकानों पर पहुँच गए थे। जंगल का राजा शेर शिकार करने नदी की तरफ़ निकल चुका था और कौए को भी बहुत प्यास लगी थी। उसने देखा कि शेर शिकारी के जाल में फँस चुका था। शेर बेचारा अपनी मदद के लिए किसी को पुकार भी नहीं सकता था क्योंकि सब उससे डरते थे। कौए से यह दृश्य देखा न गया। उसने आव देखा न ताव काँव-काँव करता उड़ान भर रहा था।

घने जंगल में उसकी कर्कश आवाज़ से झुँझलाकर सभी जानवर बाहर आ गए। चूहे भी अपने बिलों से बाहर निकल आए और उसे डाँटने लगे। कौए ने रोती हुई आवाज़ में सबको बताया लेकिन शेर की मदद के लिए कोई भी तैयार नहीं हो रहा था। गिलहरी और खरगोश के समझाने पर चूहों का दल तैयार हो गया और वे नदी की तरफ़ चल पड़े।

शेर को जाल में फँसा देखकर सभी चूहों ने जाल काटना शुरू कर दिया। थोड़ी देर में शेर जाल से बाहर आ चुका था तथा खुश होकर कौए और चूहों को धन्यवाद दे रहा था। बाकी जानवर भी वहाँ आने लगे। गिलहरी ने कौए से कहा, "आज सुरीली आवाज़ नहीं, कर्कश आवाज़ काम आई है। प्यार और दर्द से भरे दिल ने मदद की है।" शेर और सभी जानवर कौए को प्यार भरी नज़र से देखने लगे।

12. वाच्य

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाच्य किसे कहते हैं?

क्रिया का वह रूप जिससे पता चले कि वाक्य का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है अथवा भाव वह वाच्य कहलाता है।

(ख) वाच्य के कितने भेद हैं? उदाहरण सहित बताइए।

वाच्य के भेद– वाच्य के तीन भेद हैं– कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

1. **कर्तृवाच्य–** जिन वाक्यों में कर्ता की प्रधानता हो उनमें कर्ता स्वयं क्रिया करता है इसलिए क्रिया का वाच्य कर्तृवाच्य कहलाता है। इन वाक्यों में क्रिया के लिंग तथा वचन कर्ता के अनुसार होते हैं; जैसे– माली घास काट रहा है।
2. **कर्मवाच्य–** वाक्य में कर्म की प्रधानता होने पर क्रिया का वाच्य कर्मवाच्य कहलाता है। इन वाक्यों में क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार ही होते हैं; जैसे– मंजु के द्वारा निबंध लिखा गया।
3. **भाववाच्य–** वाक्य में यदि कर्ता और कर्म से अधिक भाव की प्रधानता हो तो वाच्य भाववाच्य के रूप में जाना जाएगा; जैसे– रमेश से लिखा नहीं जाता।

(ग) कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

कर्तृवाच्य में वाक्यों में कर्ता की प्रधानता होती है तथा क्रिया का सीधा संबंध कर्ता से होता है। इसमें वाक्यों में क्रिया के लिंग तथा वचन कर्ता के अनुसार होते हैं।

कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है। क्रिया का सीधा प्रभाव कर्म पर पड़ता है। इन वाक्यों में क्रिया के लिंग और वचन भी कर्म के अनुसार होते हैं।

(घ) भाववाच्य के संबंध में दो प्रमुख बातें बताइए।

1. इन वाक्यों में कर्ता या कर्म की प्रधानता न होकर केवल भाव की प्रधानता होती है।
2. इनमें कर्ता एवं कर्म के लिंग-वचन का क्रिया पर प्रभाव नहीं पड़ता।

(ङ) कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाते समय कौन-सी बातें ध्यान रखनी चाहिए?

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. कर्ता के साथ 'से/के द्वारा' (करण कारक की विभक्ति) का प्रयोग करना चाहिए।
2. क्रिया का प्रयोग कर्म के अनुसार कीजिए।
3. कर्म के साथ लगी विभक्ति को हटा दीजिए।

2. वाक्यों की क्रियाओं के वाच्य पहचानकर उनके भेद लिखिए।

(क) काव्या फूल तोड़ती है। **कर्तृवाच्य**

(ख) दिव्या जूस नहीं पीती। **कर्तृवाच्य**

(ग) बालक द्वारा रोटी खाई जा रही है। **कर्मवाच्य**

(घ) उससे और नहीं चला जाता। **भाववाच्य**

(ङ) मुझसे अब सोया जाता है। **भाववाच्य**

(च) दीपक से पढ़ा नहीं जाता। **भाववाच्य**

(छ) रेल चल रही है। **कर्तृवाच्य**

(ज) चाची ने टोपी खरीदी। **कर्तृवाच्य**

(झ) बकरी द्वारा दूध दिया जाता है। **कर्मवाच्य**

(ञ) बच्चे से खाया नहीं जाता। **भाववाच्य**

3. सही कथन छाँटिए और उनके सामने निशान (✓) लगाइए।

(क) कर्तृवाच्य में क्रिया का लिंग-वचन कर्ता के अनुसार होता है। ☑

(ख) भाववाच्य में जाना क्रिया 'ता' प्रत्यय के साथ आती है। ☑

(ग) भाववाच्य में क्रिया सकर्मक भी हो सकती है। ☒

(घ) कर्मवाच्य में कर्म का होना अनिवार्य है। ☑

4. निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य निर्देशानुसार बदलिए।

(क) लड़की आँगन में सोई। (कर्मवाच्य)

लड़की से आँगन में सोया गया।

(ख) महावीर ने अँगूठी खरीदी। (भाववाच्य)

महावीर से अँगूठी खरीदी जाती है।

(ग) वह इतनी देर नहीं सो सकता। (भाववाच्य)

उससे इतनी देर नहीं सोया जाता।

(घ) उसके द्वारा कहानी पढ़ ली गई। (कर्तृवाच्य)

उसने कहानी पढ़ ली।

(ङ) मुझसे दर्द नहीं सहा जाता। (कर्तृवाच्य)

मैं दर्द नहीं सह सकता।

(च) शिक्षक ने सबको सज़ा दी। (कर्मवाच्य)

शिक्षक के द्वारा सबको सज़ा दी गई।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) भाववाच्य में क्रिया होती है –

(i) एकवचन ☐ (ii) पुल्लिंग ☐

(iii) अन्य पुरुष ☐ (iv) ये सभी ☑

(ख) कर्मवाच्य बनाते समय किस कारक की विभक्ति लगती है?

(i) अधिकरण ☐ (ii) कर्म ☐

(iii) करण ☑ (iv) कर्ता ☐

(ग) कर्मवाच्य संभव नहीं है, जब क्रिया का _____ स्पष्ट न हो।

(i) कर्ता ☐ (ii) कर्म ☑ (iii) भाव ☐ (iv) काल ☐

(घ) भाववाच्य में किस पर प्रभाव नहीं पड़ता?

(i) वचन ☑ (ii) कारक ☐ (iii) काल ☐ (iv) कर्म ☐

रचनात्मक गतिविधि

चित्र को देखिए और उससे संबंधित वाक्य लिखिए। वाक्य निर्माण में तीनों वाच्यों का प्रयोग करें।

वाहन चालकों ने सड़क पर जाम लगा रखा है। उनके द्वारा गाड़ियाँ आड़ी-तिरछी खड़ी की गई हैं। गाड़ियों के बीच में फँसी गाय से बाहर नहीं निकला जाता। सभी लोग वाहन की खिड़कियों से बाहर देख रहे हैं। उनसे भी कुछ किया नहीं जाता। ट्रैफ़िक जाम होने के कारण लोगों से जल्दी घर नहीं जाया जाएगा। गाड़ियों के द्वारा धुआँ छोड़ा जा रहा है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ जाएगा।

13. अविकारी शब्द (अव्यय)

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) अव्यय किसे कहते हैं?

वे शब्द जिन्हें हम किसी भी लिंग, वचन, कारक के साथ प्रयोग करें, उनमें किसी भी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होता, ऐसे शब्द अव्यय या अविकारी शब्द कहलाते हैं।

(ख) अव्यय के भेदों के नाम बताइए।

अव्यय के पाँच भेद हैं– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात।

(ग) क्रियाविशेषण किसे कहते हैं?

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे– कछुआ धीरे-धीरे चलकर भी दौड़ जीत गया। यहाँ पर 'धीरे-धीरे' शब्द क्रिया की विशेषता बता रहा है इसलिए यह क्रियाविशेषण है।

(घ) संबंधबोधक और समुच्चयबोधक में अंतर बताइए।

जो अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के दूसरे शब्दों/पदों के साथ संबंध बताते हैं, संबंधबोधक कहलाते हैं। इनमें 'के ऊपर', 'के नीचे', 'के यहाँ', के बजाय', 'की अपेक्षा' इत्यादि शब्द इसी श्रेणी में आते हैं।

जो शब्द दो या दो से अधिक संबंधित शब्दों, वाक्यों या वाक्यांशों को जोड़ने का काम करते हैं, समुच्चयबोधक कहलाते हैं। अतः, और, तो, ताकि इत्यादि शब्द समुच्चयबोधक हैं।

(ङ) संबंधबोधक और क्रियाविशेषण के अंतर को उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

जब अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के दूसरे शब्दों/पदों के साथ संबंध बताते हैं, तो संबंधबोधक कहलाते हैं। लेकिन क्रियाविशेषण में शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं; जैसे–

सुशील घर के अंदर बैठा है। (संबंधबोधक)

सुशील अंदर बैठा है। (क्रियाविशेषण)

(च) समुच्चयबोधक के उपभेदों के नाम बताइए।

समुच्चयबोधक के दो उपभेद हैं–

1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक 2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक।

(छ) विस्मयादिबोधक से क्या पता चलता है?

विस्मयादिबोधक विस्मय, शोक, हर्ष, लज्जा, घृणा, तिरस्कार, ग्लानि इत्यादि भावों को प्रकट करते हैं।

2. क्रियाविशेषण रेखांकित कीजिए और उनके भेद का नाम लिखिए।

(क) खुशी दिनभर पढ़ती रही। **कालवाचक क्रियाविशेषण**

(ख) सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे। **रीतिवाचक क्रियाविशेषण**

(ग) आप यहाँ आकर बैठिए। **स्थानवाचक क्रियाविशेषण**

(घ) वह प्रतिदिन चिड़ियों को दाना डालता है। **कालवाचक क्रियाविशेषण**

(ङ) हमें घर जल्दी जाना है। **रीतिवाचक क्रियाविशेषण**

3. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक संबंधी अशुद्धि पहचानकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) घर के ऊपर नीम का पेड़ है। **घर के बाहर नीम का पेड़ है।**

(ख) बिल्ली मेज़ के बजाय सो गई। **बिल्ली मेज़ के नीचे सो गई।**

(ग) तरुण घर के द्वारा दौड़ा। **तरुण घर की ओर दौड़ा।**

(घ) पिता जी की ओर बच्चे भी घूमने गए। **पिता जी के साथ बच्चे भी घूमने गए।**

(ङ) मृणाल की खातिर अनीता होशियार है। **मृणाल की अपेक्षा अनीता होशियार है।**

4. उचित अव्यय शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) मेरे घर **के पास** बड़ा मंदिर है।

(ख) तुम गिटार सीखो **या** तबला।

(ग) **अहा!** कितना सुंदर नज़ारा है।

(घ) शेर ने **जल्दी से** दौड़कर शिकार पकड़ लिया।

(ङ) मेरे पास **अभी** बीस बोरी हैं।

(च) तारे **रात** को चमकते हैं।

5. निम्नलिखित समुच्चयबोधकों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) **लेकिन** – खरगोश तेज़ दौड़ा लेकिन जीत न सका।

(ख) **चाहे** – मैंने कॉफ़ी और चाय दोनों बनाए हैं आप जो चाहे ले सकते हैं।

(ग) **ताकि** – पौष्टिक भोजन लेना चाहिए ताकि बीमार न हों।

(घ) **इसलिए** – बारिश हो रही है इसलिए वह नहीं आएगा।

(ङ) **क्योंकि** – वह गिर पड़ा क्योंकि पैर फिसल गया।

(च) **चूँकि** – चूँकि स्कूटर खराब हो गया था तो मैं आ न सका।

6. निम्नलिखित वाक्यों में गलत निपात पहचानिए और सही निपात वाक्य के सामने लिखिए।

(क) मेरा भाई **भर** सातवीं कक्षा में पढ़ता है।

मेरा भाई **भी** सातवीं कक्षा में पढ़ता है।

(ख) अमित घमंड में किसी से बात **केवल** नहीं करता।

अमित घमंड में किसी से बात **तक** नहीं करता।

(ग) सलोनी गाने के साथ अच्छा नृत्य **ही** करती है।

सलोनी गाने के साथ अच्छा नृत्य **भी** करती है।

(घ) विनय **भी** अपने माता-पिता का नाम रोशन करेगा।

विनय **ही** अपने माता-पिता का नाम रोशन करेगा।

(ङ) तुम **तक** कुछ करो।	तुम **भी** कुछ करो।
(च) रात ही तक बिजली नहीं आई।	रात तक भी बिजली नहीं आई।
(छ) अभी **भर** आप यहीं पहुँचे हैं।	अभी तक आप यहीं पहुँचे हैं।
(ज) मुझे **मात्र ही** हज़ार रुपए मिले।	मुझे मात्र हज़ार रुपए मिले।

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'कभी-कभी' क्रियाविशेषण के किस भेद में आएगा?

(i) रीतिवाचक	☐	(ii) स्थानवाचक	☐
(iii) परिमाणवाचक	☐	(iv) कालवाचक	☑

(ख) इनमें से संबंधबोधक शब्द नहीं है –

(i) के संग	☐	(ii) की ओर	☐
(iii) से पहले	☐	(iv) भीतर	☑

(ग) हेतुसूचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक है –

(i) क्योंकि ☑ (ii) लेकिन ☐ (iii) मानो ☐ (iv) अतः ☐

(घ) 'केवल' शब्द है –

(i) क्रियाविशेषण ☐ (ii) निपात ☑

(iii) समुच्चयबोधक ☐ (iv) संबंधबोधक ☐

रचनात्मक गतिविधि

दिए गए गद्यांश में से अव्यय शब्द छाँटिए और उसका भेद लिखिए।

बीस-बाईस वर्ष का उत्साही युवक अध्ययन में लीन रहता है और तरह-तरह के ऊँचे विचारों के महल बनाता रहता है। 'मैं शिवाजी महाराज की तरह मातृभूमि की सेवा करूँगा। न्यूटन की तरह खोज करूँगा।' एक, दो, चार-न जाने क्या-क्या कल्पना करता है। ऐसी कल्पना करने का भाग्य भी थोड़े को ही मिलता है। पर जिनको मिलता है, उनकी ही बात लेते हैं। जब नून-तेल-लड़की के फेर में पड़ा जब पेट का प्रश्न सामने आता है, तब बेचारा दीन बन जाता है। जीवन की जिम्मेदारी क्या चीज़ है, आज तक इसकी कल्पना ही नहीं की थी और अब तो पहाड़ सामने खड़ा हो गया।

अव्यय	भेद	अव्यय	भेद
तरह-तरह	रीतिवाचक	तक	निपात
की तरह	संबंधबोधक	अब	कालवाचक
भी	निपात		
ही	निपात		
आज	कालवाचक		

14. विराम-चिह्न

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विराम-चिह्न से आप क्या समझते हैं?

भाषा बोलते समय और लिखते-पढ़ते समय हम कुछ विराम लेते हैं। लिखित रूप में रुकने के लिए कुछ चिह्न निश्चित होते हैं। इन चिह्नों को ही विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) विराम-चिह्नों का भाषा में क्या महत्त्व है?

हम अपने भावों को शब्दों और वाक्यों द्वारा प्रकट करते हैं इसलिए हमारी भाषा भावों से ओत-प्रोत होती है। भावों के उतार-चढ़ाव को प्रकट करने में विराम-चिह्नों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इनसे भाषा रुचिकर हो जाती है तथा भाव समझने में आसानी होती है। इनके बिना भाषा अर्थहीन हो जाती है।

(ग) योजक चिह्न और निर्देशक चिह्न में अंतर बताइए।

दो शब्दों के बीच तुलना, विरोध या समानता बताने की स्थिति में योजक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जबकि निर्देशक चिह्न का प्रयोग किसी बात को स्पष्ट करने, किसी उदाहरण की ओर संकेत करने, संवादों के पहले वाक्य के प्रवाह में आने वाली संज्ञा की ओर संकेत करने, निर्देश देने वाले वाक्यों के बाद किया जाता है। इसका आकार योजक चिह्न से बड़ा होता है।

(घ) इकहरे और दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है?

इकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति, ग्रंथ, उपनाम आदि को प्रकट करने के लिए किया जाता है; जैसे– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी के कथन को ज्यों का त्यों दिखाने के लिए किया जाता है। जैसे– शास्त्री जी ने कहा, "जय जवान, जय किसान।"

(ङ) हंसपद का क्या कार्य है?

हंसपद को त्रुटिपूरक चिह्न भी कहते हैं। इसका प्रयोग वाक्य के बीच में कोई शब्द अथवा वाक्यांश छूट जाने पर उसे ऊपर-नीचे दर्शाने के लिए किया जाता है। जैसे– कविता करना सभी लोगों ∧ के बस की बात नहीं।

2. निम्नलिखित में से सही-गलत कथन छाँटिए।

(क) मौखिक भाषा में भी विराम होता है, जिसे बोलने के अंदाज़ में प्रकट किया जाता है। ✓

(ख) विराम-चिह्न सभी भाषाओं में एक समान होते हैं। ✓

(ग) विराम-चिह्न के बदलने से वाक्य का अर्थ ही बदल सकता है। ✓

(घ) यदि उचित विराम-चिह्न न लगे हों तो लिखित भाषा एकदम गड़बड़ा जाएगी। ✓

3. वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

(क) सुख दुख तो आते जाते हैं

सुख-दुख तो आते-जाते हैं।

(ख) टोकरी में सेब केले आम आदि हैं

टोकरी में सेब, केले, आम आदि हैं।

(ग) वाह सब रुपये तुम्हारे कैसे हुए

वाह! सब रुपये तुम्हारे कैसे हुए?

(घ) मुनि ने कहा वत्स जाओ निष्ठा से रहो

मुनि ने कहा, "वत्स जाओ निष्ठा से रहो।"

(ङ) क्या श्रीराम के पुत्र लव कुश वीर थे

क्या श्रीराम के पुत्र लव-कुश वीर थे?

(च) नेता जी ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा

नेता जी ने कहा था, "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

4. वाक्यों में गलत विराम-चिह्नों को पहचानिए और सही चिह्न लगाकर वाक्य लिखिए।

(क) यहाँ क्या हो रहा है। **यहाँ क्या हो रहा है?**

(ख) वाह? तुमने तो कमाल कर दिया! **वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।**

(ग) तुम्हारी आदतें अच्छी नहीं हैं? **तुम्हारी आदतें अच्छी नहीं हैं।**

(घ) बापू ने कहा था 'सत्य का मार्ग ही उचित है'?

बापू ने कहा था, "सत्य का मार्ग ही उचित है।"

(ङ) कल तुम्हारा, किस विषय का पेपर है।

कल तुम्हारा किस विषय का पेपर है?

(च) पी!वी! सिंधु ने प्रतियोगिता जीत ली!

पी.वी. सिंधु ने प्रतियोगिता जीत ली।

(छ) परिश्रम करोगे – तो फल अच्छा ही मिलेगा;

परिश्रम करोगे, तो फल अच्छा ही मिलेगा।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) समान महत्त्व के दो से अधिक शब्दों को अलग करने में प्रयुक्त होता है–

(i) अर्धविराम	☐	(ii) अल्पविराम	☐
(iii) योजक	☑	(iv) निर्देशक	☐

(ख) किसी के उपनाम को दर्शाने के लिए **इकहरा उद्धरण** चिह्न प्रयोग करते हैं।

(i) दोहरा उद्धरण	☐	(ii) लाघव	☐
(iii) हंसपद	☐	(iv) इकहरा उद्धरण	☑

(ग) योजक चिह्न के प्रयोग की स्थिति नहीं है–

(i) तुलना	☐	(ii) विरोध	☐
(iii) हर्ष	☑	(iv) समानता	☐

(घ) लाघव चिह्न का कार्य है–

(i) संक्षेपण	☑	(ii) तुलना	☐
(iii) क्रमसूचना	☐	(iv) समानता	☐

रचनात्मक गतिविधि

निम्नलिखित पंक्तियों में विराम-चिह्नों का गलत प्रयोग हुआ है। आप सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कर पंक्तियों दोबारा लिखिए।

चाचा, भतीजे ने चूरमा तैयार किया? चूरमे के लड्डू बनाए; पाँच लड्डू बने, अब चाचा–भतीजा! दोनों सोचने लगे कि इन्हें बराबर, बराबर; कैसे बाँटा जाए! आखिर उन्होंने तय किया कि गूँगे बनकर लेट जाते हैं? जो पहले बोले! वह दो खाए और

जो न बोले – वह तीन खाए? दोनों बिना बोले, पैर फैलाकर लेट गए – यजमान ने आकर देखा तो न कोई बोलता था; न हिलता, डुलता था! बुलवाने की चेष्टा की? पर कोई जवाब नहीं देता था; सब सोचने लगे; "कौन जाने। किसी विषैले जानवर ने इन्हें काट न लिया हो!"

चाचा-भतीजे ने चूरमा तैयार किया। चूरमे के लड्डू बनाए, पाँच लड्डू बने। अब चाचा-भतीजा दोनों सोचने लगे कि इन्हें बराबर-बराबर कैसे बाँटा जाए। आखिर उन्होंने तय किया कि गूँगे बनकर लेट जाते हैं; जो पहले बोले, वह दो खाए और जो न बोले, वह तीन खाए। दोनों बिना बोले, पैर फैलाकर लेट गए। यजमान ने आकर देखा तो न कोई बोलता था, न हिलता-डुलता था। बुलवाने की चेष्टा की, पर कोई जवाब नहीं देता था। सब सोचने लगे–'कौन जाने! किसी विषैले जानवर ने इन्हें काट न लिया हो।'

15. शब्द-भंडार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) पर्यायवाची एवं एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों में अंतर बताइए।

पर्यायवाची शब्दों में भिन्नता होते हुए भी उन शब्दों से लगभग एक ही अर्थ स्पष्ट होता है। जैसे– वनराज, सिंह, केसरी– शेर के पर्यायवाची या अन्य नाम हैं।

जबकि एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द पढ़ने-सुनने में तो एक समान लगते हैं, परंतु अर्थ की दृष्टि से उनमें सूक्ष्म अंतर होता है। जैसे– अस्त्र और शस्त्र। अस्त्र फेंका जाने वाला हथियार होता है और शस्त्र हाथ में पकड़कर चलाने वाला।

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का भाषा में क्या महत्त्व है?

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के प्रयोग से भाषा को अनचाहे विस्तार से बचाया जाता है। अर्थात भाषा में संक्षिप्तता, स्पष्टता तथा सुंदरता आती है।

(ग) अनेकार्थी शब्द पर्यायवाची शब्दों से कैसे भिन्न हैं?

अनेकार्थी शब्दों में वे शब्द आते हैं जो एक ही शब्द के एक से अधिक अर्थ बताते हैं; जैसे– अपेक्षा– अपेक्षा का अर्थ है आशा और तुलना। इसके विपरीत पर्यायवाची शब्द एक जैसा अर्थ लिए होते हैं। जैसे– अतिथि – मेहमान, आगंतुक, पाहुन, अभ्यागत।

(घ) कौन-से शब्द समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं?

जो शब्द पढ़ने और सुनने में 'समरूपी' अर्थात एक समान लगते हैं लेकिन उनके अर्थ और वर्तनी में भिन्नता होती है। ऐसे शब्द समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे– तरंग और तुरंग दोनों सुनने में एक जैसे लगते हैं लेकिन अर्थ अलग है; तरंग – लहर और तुरंग – घोड़ा

(ङ) शब्द युग्म किसे कहते हैं? कोई दो प्रकार बताइए।

भाषा में जब दो शब्दों को योजक चिह्न लगाकर प्रायः साथ-साथ प्रयोग किया जाता है, तब उन शब्दों को शब्द-युग्म कहते हैं। ये शब्द-युग्म निम्न प्रकार के होते हैं–

1. पुनरुक्त शब्द-युग्म– इसमें एक ही शब्द का दो बार प्रयोग होता है जैसे–जल्दी-जल्दी, पीछे-पीछे इत्यादि।

2. विलोम शब्द-युग्म– ये शब्द-युग्म एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले होते हैं। जैसे–दिन-रात, ऊपर-नीचे, ठंडा-गरम, आगे-पीछे।

इन शब्द-युग्मों के अलावा सार्थक-निरर्थक शब्द-युग्म, समानार्थी शब्द-युग्म भी होते हैं।

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए –

(क) अग्नि – **आग अनल** (ख) चाँद – **रजनीश मयंक**

(ग) धन – **संपत्ति दौलत** (घ) इच्छा – **आकांक्षा अभिलाषा**

(ङ) सरस्वती – **शारदा वीणापाणि** (च) पुष्प – **सुमन फूल**

(छ) पक्षी – **खग विहग** (ज) किरण – **रश्मि अंशु**

3. वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम अर्थवाले शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) व्यापार में कभी **लाभ** होता है तो कभी **हानि** भी।

(ख) प्रश्न चाहे सरल हों या **कठिन**, पढ़ने वाले के लिए तो सभी **आसान** हैं।

(ग) किसी की **प्रशंसा** नहीं कर सकते तो **निंदा** भी मत करो।

(घ) संसाधनों का **सदुपयोग** करना चाहिए, **दुरुपयोग** करने से नुकसान ही होता है।

(ङ) **आय** से अधिक **व्यय**, बहुत बुरी आदत है।

(च) **इच्छा** से करो या **अनिच्छा** से, काम तो तुम्हें ही करना पड़ेगा।

4. निम्नलिखित समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर अंतर स्पष्ट कीजिए।

(क) **कुल** – रितु के परिवार में कुल मिलाकर पाँच सदस्य हैं।

कूल – हरिद्वार में सभी लोग गंगा के कूल पर पूजा करते हैं।

(ख) **नीर** – चेन्नई में अत्यधिक बरसात होने से चारों तरफ़ नीर ही नीर था।

नीड़ – बुलबुल अपने नीड़ में बैठी है।

(ग) **बलि** – देवता को प्रसन्न करने के लिए उन्होंने जानवर की बलि दे दी।

बली – दारा सिंह बली था।

5. रंगीन शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) अखिल कुमार **विश्वास करने योग्य** व्यक्ति हैं। **विश्वसनीय**

(ख) आदर्श विद्यार्थी **जानने की इच्छा रखने वाला** होता है। **जिज्ञासु**

(ग) **अत्याचार करने वाले** का साथ देना भी पाप है। **अत्याचारी**

(घ) कश्मीर का सौंदर्य **उपमा न दे सकने योग्य** है। **अनुपम**

(ङ) ईश्वर सब **कुछ जानने वाला** है। **सर्वज्ञ**

6. जिन वाक्यों में एकार्थक प्रतीत होने वाले गलत शब्द का प्रयोग हुआ है, उसे रेखांकित कीजिए।

(क) यह काम आवश्यक ही नहीं उचित भी है।

(ख) तीर शस्त्र की श्रेणी में आता है, जबकि तलवार अस्त्र की श्रेणी में आती है।

(ग) इसमें खेद नहीं कि मुकेश को अपने श्रेष्ठ होने का भ्रम है।

(घ) माँ का दिया उपहार अमूल्य है, चाहे वह मूल्यवान हो या नहीं।

(ङ) मित्रों के प्रयास से मुझे आर्थिक सहायता मिली।

7. इन वाक्यों में अनेकार्थी शब्द गड़बड़ा गए हैं। सही शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए।

आदि कर अंबर वर्ण माला बाल पानी

(क) रंग भाषा की सबसे छोटी इकाई है।

वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है।

(ख) इंसान का जल एक बार चला जाए तो वापस नहीं आता।

इंसान का **मान** एक बार चला जाए तो वापस नहीं आता।

(ग) हरी सब्ज़ियाँ, सलाद प्रारंभ खाना लाभकारी है।

हरी सब्ज़ियाँ, सलाद **आदि** खाना लाभकारी है।

(घ) कृष्ण का लड़का रूप मन को मोहित करने वाला है।

कृष्ण का **बाल** रूप मन को मोहित करने वाला है।

(ङ) वस्त्र पर चाँद निकल आया है।

अंबर पर चाँद निकल आया है।

(च) समय पर हाथ देकर हम निश्चिंत हो सकते हैं।

समय पर **कर** देकर हम निश्चिंत हो सकते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न

8. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'दाँत' का पर्यायवाची नहीं है –

(i) दंत ☐ (ii) दंश ☐ (iii) दशन ☐ (iv) द्विज ☑

(ख) गलत शब्द-युग्म पहचानिए –

(i) काम-काज ☐ (ii) आगे-आगे ☐

(iii) लोट-खोट ☑ (iv) ठंडा-गर्म ☐

(ग) 'जिसे लज्जा न हो' के लिए एक शब्द है –

(i) निर्लज्ज ☑ (ii) नीरस ☐ (iii) निरर्थक ☐ (iv) निराधार ☐

(घ) 'घृणा' का उचित विलोम है –

(i) हर्ष ☐ (ii) शांति ☐ (iii) ममता ☐ (iv) प्रेम ☑

रचनात्मक गतिविधि

वर्ग पहेली को दिए गए निर्देशों के अनुसार पूरा कीजिए।

ऊपर से नीचे

1. जो अभी जन्मा हो (एक शब्द)
2. पत्थर (समानार्थी)
3. प्रारंभ (समानार्थी)
4. गेहूँ के लिए प्रयुक्त अनेकार्थी शब्द
5. आदत के लिए सूक्ष्म अर्थ भेदी शब्द
8. कामयाब का विलोम
9. नौकर का विलोम
10. सुर का विलोम
11. पक्षी के लिए एक अनेकार्थी शब्द

बाएँ से दाएँ

1. आँख का पर्यायवाची
5. निराशा का विलोम

1 न	य	न	3 आ	4 क	5 आ	शा
व	2 पा	ठ	6 दि	7 न	दी	8 ना
जा	षा	9 मा	सि	क	ड	का
त	ण	लि	10 अ	नु	11 प	म
12 अ	ने	क	सु	ल	तं	या
13 सा	रं	ग	र	14 ज	ग	ब
15 प	रो	प	का	री	16 न	ग

6. रात का विलोम
7. सरिता का पर्यायवाची
9. मास में एक बार होने वाला (एक शब्द)
10. जिसकी कोई उपमा न हो (एक शब्द)
12. एक का विलोम
13. मेघ के लिए एक अनेकार्थी शब्द
14. संसार का पर्यायवाची
15. दूसरों पर उपकार करने वाला (एक शब्द)
16. पर्वत का पर्यायवाची

16. उपसर्ग और प्रत्यय

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) उपसर्ग की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

ऐसे शब्दांश जो किसी शब्द के आगे जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता ला देते हैं या उसके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे–

बे + घर = बेघर, स + फल = सफल

(ख) हिंदी में उपसर्गों के प्रकार कौन-कौन से हैं? उदाहरण भी दीजिए।

हिंदी भाषा में निम्नलिखित उपसर्ग प्रयुक्त होते हैं–

1. संस्कृत के उपसर्ग– ये उपसर्ग संस्कृत से ही हिंदी में आए हैं। इन्हें तत्सम उपसर्ग कहते हैं। इन उपसर्गों से बने शब्द हैं – अमर, अजर, अधर्म।
2. हिंदी के उपसर्ग– हिंदी में प्रयुक्त होने वाले हिंदी उपसर्ग तद्भव उपसर्ग कहलाते हैं। तद्भव उपसर्ग मूलतः संस्कृत के उपसर्ग से विकसित हुए हैं। जैसे– अ (उपसर्ग) = अछूत, अचेत, अथाह।
3. उर्दू/फ़ारसी के उपसर्ग– उर्दू/फ़ारसी भाषाओं से आए हिंदी में प्रयुक्त होने वाले उपसर्ग उर्दू या फ़ारसी के उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे– कम (उपसर्ग)– कमज़ोर, कमअक्ल।
4. अंग्रेज़ी के उपसर्ग – ये उपसर्ग अंग्रेज़ी भाषा से हिंदी में आए हैं। जैसे– सब इंस्पेक्टर, सब कमेटी।

(ग) कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं?

क्रिया के मूल रूप धातु के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करने वाले प्रत्यय कृत् प्रत्यय कहलाते हैं।

(घ) तद्धित प्रत्यय के भेदों के नाम बताइए एवं उदाहरण भी दीजिए।

संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अंत में जुड़कर जिन प्रत्ययों से क्रिया के अतिरिक्त शब्दों की रचना होती है, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। तद्धित प्रत्यय के आठ भेद हैं– संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय, भाववाचक तद्धित प्रत्यय, कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय, लघुतावाचक तद्धित प्रत्यय, क्रमवाचक तद्धित प्रत्यय, गुणवाचक तद्धित प्रत्यय, स्त्रीलिंग वाचक तद्धित प्रत्यय, संस्कृत, अरबी-फ़ारसी के तद्धित प्रत्यय तथा बहुवचनवाचक तद्धित प्रत्यय।

2. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और मूलशब्द अलग कीजिए।

	शब्द		उपसर्ग		मूल शब्द		शब्द		उपसर्ग		मूल शब्द
(क)	आजीवन	=	आ	+	जीवन	(ख)	अपवित्र	=	अ	+	पवित्र
(ग)	अतिशय	=	अति	+	शय	(घ)	उनसठ	=	उन	+	सठ
(ङ)	निर्धन	=	निर्	+	धन	(च)	दुर्भाग्य	=	दुर्	+	भाग्य
(छ)	प्रख्यात	=	प्र	+	ख्यात	(ज)	निहत्था	=	नि	+	हत्था
(झ)	कुख्यात	=	कु	+	ख्यात	(ञ)	अंतर्दशा	=	अंतर्	+	दशा

3. इन उपसर्ग-प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए।

(क)	वि	=	विहीन	विज्ञान	(ख)	अभि	=	अभिमान	अभिलाषा
(ग)	दुर्	=	दुर्घटना	दुर्बल	(घ)	ला	=	लापता	लाजवाब
(ङ)	आवा	=	भुलावा	दिखावा	(च)	सर	=	सरपंच	सरताज
(छ)	इक	=	साहसिक	आध्यात्मिक	(ज)	आई	=	पढ़ाई	लड़ाई

4. इन शब्दों में से प्रत्यय तथा मूल शब्द अलग कीजिए।

	शब्द		मूल शब्द		प्रत्यय		शब्द		मूल शब्द		प्रत्यय
(क)	गुणवान	=	गुण	+	वान	(ख)	ममत्व	=	मम	+	त्व
(ग)	भारतीय	=	भारत	+	ईय	(घ)	पढ़ाकू	=	पढ़	+	आकू
(ङ)	पुष्पित	=	पुष्प	+	इत	(च)	दर्दनाक	=	दर्द	+	नाक

5. निम्नलिखित शब्दों में से संस्कृत तथा उर्दू प्रत्यय वाले शब्द अलग-अलग कीजिए।

नेतागिरी, तीरंदाज़, महिमा, गुरुत्व, चूहेदानी, दर्शनीय, धोखेबाज़, जलमय, जादूगर, सालाना, गरिमा, शैशव, महीना, रक्षक, दर्दनाक, लघुता, प्रशंसनीय, तोपची

संस्कृत प्रत्यय युक्त शब्द	उर्दू प्रत्यय युक्त शब्द
महिमा, गुरुत्व, दर्शनीय, जलमय, गरिमा, शैशव, महीना, रक्षक, लघुता, प्रशंसनीय	तीरंदाज़, धोखेबाज़, जादूगर, सालाना, दर्दनाक, तोपची

6. निम्नलिखित वाक्यों में उपसर्ग और प्रत्यय वाले शब्दों को रेखांकित कीजिए।

(क) अनेक <u>अत्याचार</u> के बाद भी <u>रखवाला</u> अपनी जगह डटा रहा।

(ख) सभी <u>श्रद्धालु</u> <u>उत्तम</u> दर्शनों से धन्य हो गए।

(ग) नौकरानी ने झाड़न छोड़कर झाड़ू उठा लिया।

(घ) जब सब ईमानदार होंगे तभी देश का उद्धार होगा।

(ङ) अतिथि का अपनापन देख सभी खुश हुए।

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) गुणवाचक तद्धित प्रत्यय वाला शब्द है –

(i) पेटू ☑ (ii) लुटिया ☐ (iii) तीसरा ☐ (iv) ननिहाल ☐

(ख) 'सु' उपसर्ग वाला शब्द है –

(i) सुंदर ☐ (ii) सुफल ☑ (iii) सुलह ☐ (iv) सुखी ☐

(ग) भाववाचक संज्ञा बनाने वाला कृत् प्रत्यय है –

(i) इया ☐ (ii) नी ☐ (iii) अनीय ☑ (iv) अंत ☐

(घ) 'ऊँचा' के अर्थ में प्रयुक्त होने वाला उपसर्ग है –

(i) उत् ☑ (ii) अति ☐ (iii) उप ☐ (iv) अव ☐

रचनात्मक गतिविधि

नीचे लिखे कहानी के अंश में कुछ शब्दों में गलत उपसर्ग-प्रत्यय लग गए हैं। पहचानिए और रेखांकित करके सही उपसर्ग/प्रत्यय लगाकर शब्द ठीक कीजिए।

पिंकी के वार्षित परीक्षाफल की घोषणा हुई। जो छात्राएँ उत्तीर्ण थीं, वे खुश थीं जबकि अपउत्तीर्ण होने वाली छात्राएँ उदासत्व से भरी थीं। अनसफल होने वाली छात्राओं में पिंकी भी थी। वह जानती थी कि उसने पूरे वर्ष जो कुपरवाही बरती, यह उसी का परिणाम था। उसके माता-पिता उसे दंडनीय न करें तथा वह सखियों के बीच अपमानजनक न हो इसलिए वह घर न जाकर शहर के बाहर की तरफ़ चल पड़ी। उसकी सखी पारुल ने देखा तो वह अनबोले पिंकी का पीछा करने लगी।

पिंकी के वार्षिक परीक्षाफल की घोषणा हुई। जो छात्राएँ उत्तीर्ण थीं, वे खुश थीं जबकि अनुत्तीर्ण होने वाली छात्राएँ उदासी से भरी थीं। असफल होने वाली छात्राओं में पिंकी भी थी। वह जानती थी कि उसने पूरे वर्ष जो लापरवाही बरती, यह उसी का परिणाम था। उसके माता-पिता उसे दंडित न करें तथा वह सखियों के बीच अपमानित न हो इसलिए वह घर न जाकर शहर के बाहर की तरफ़ चल पड़ी। उसकी सखी पारुल ने देखा तो वह बिनबोले पिंकी का पीछा करने लगी।

17. संधि

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) स्वर संधि और विसर्ग संधि में अंतर बताइए।

स्वर संधि में दो स्वरों का मेल होता है; जैसे– सु + आगत = स्वागत (उ + आ = वा) इसमें उ और आ दोनों स्वर हैं।

विसर्ग संधि में विसर्ग के साथ स्वर और व्यंजन का मेल होता है; जैसे– निः + रस = नीरस।

(ख) दीर्घ संधि और वृद्धि संधि में क्या अंतर है?

दीर्घ संधि में ह्रस्व या दीर्घ (अ / आ / इ / ई / उ / ऊ) के बाद ह्रस्व या दीर्घ (अ / आ / इ / ई / उ / ऊ) आने पर दीर्घ (आ / ई / ऊ) हो जाते हैं।

वृद्धि संधि में अ या आ के बाद ए / ऐ आने पर 'ऐ' हो जाता है। अ या आ के बाद ओ या औ आने पर 'औ' हो जाता है।

(ग) यण संधि का क्या नियम है?

यण संधि में इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद अन्य स्वर आने पर 'इ/ई' का 'य', 'उ/ऊ' का 'व्' और 'ऋ' का 'र्' हो जाता है तथा अगले वर्ण की मात्रा अलग से जुड़ती है।

(घ) व्यंजन संधि के कोई दो नियम बताइए।

1. क्, च्, ट्, त्, प् के बाद यदि किसी वर्ग का तीसरा और चौथा वर्ण अथवा कोई स्वर आ जाए, तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का तीसरा व्यंजन आ जाता है; जैसे– दिक् + गज = दिग्गज
2. क्, च्, ट्, त्, प् के बाद यदि न या म वर्ण आ जाए, तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ व्यंजन आ जाता है; जैसे– जगत् + नाथ = जगन्नाथ

(ङ) विसर्ग संधि की परिभाषा दीजिए।

यदि विसर्ग के साथ किसी स्वर या व्यंजन का संयोग हो तो उस संधि को विसर्ग संधि कहा जाता है; जैसे– दुः + चरित्र = दुश्चरित्र

2. संधि कीजिए।

तत्	+ लीन	=	**तल्लीन**	एक	+ एक	=	**एकैक**
महा	+ उत्सव	=	**महोत्सव**	सदा	+ एव	=	**सदैव**
निः	+ रस	=	**नीरस**	निः	+ कपट	=	**निष्कपट**

3. संधि विच्छेद कीजिए।

पर्यावरण	=	**परि**	+	**आवरण**	स्वागत	=	**सु**	+ **आगत**
गायक	=	**गै**	+	**अक**	उच्चारण	=	**उत्**	+ **चारण**
निश्छल	=	**निः**	+	**छल**	हर्षोल्लास	=	**हर्ष**	+ **उल्लास**
तपोबल	=	**तपः**	+	**बल**	संतोष	=	**सम्**	+ **तोष**

4. निम्नलिखित में से सही संधि-विच्छेद चुनिए।

(क) मंदाग्नि – मंद + अग्नी	☐	मंदा + गनी	☐	मंद + अग्नि ☑
(ख) तपोवन – तपः + वन	☑	तप + वन	☐	तपो + ओवन ☐
(ग) अनुदार – अनु + उदार	☑	अन + उदार	☐	अन्न + उधार ☐
(घ) नीलांबर – नीला + अंबर	☑	नील + अंबर	☐	नीलाम + बर ☐
(ङ) षणमास – षट् + मास	☑	क्षण + मास	☐	षण + मास ☐

5. सही एवं गलत वाक्यों को (✓) अथवा (✗) से चिह्नित कीजिए।

(क) विसर्ग संधि में दो व्यंजनों का आपस में मिलन होता है। ✗

(ख) यण संधि में संधि के बाद वर्ण य, व, र में बदल जाते हैं। ✓

(ग) समान जाति के दो वर्णों में संधि वृद्धि संधि है। ✓

(घ) व्यंजन संधि में 'त्' के बाद 'ल' आने पर त् और ल् मिलकर तत् हो जाते हैं। ✗

(ङ) म् के बाद म् आए तो वह अनुस्वार हो जाता है। ✓

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) यण संधि का उदाहरण है –

(i) महर्षि ☐ (ii) अत्यधिक ☑

(iii) पवन ☐ (iv) सज्जन ☐

(ख) 'उल्लेख' का सही संधि विच्छेद है–

(i) उत् + लेख ☑ (ii) उत + लेख ☐

(iii) उल् + लेख ☐ (iv) उद् + लेख ☐

(ग) किस शब्द में व्यंजन संधि नहीं है?

(i) निर्धन ☐ (ii) महात्मा ☑ (iii) नमस्ते ☐ (iv) नीरोग ☐

(घ) अ/आ के ए/ऐ होने पर ऐ किस संधि में होता है?

(i) वृद्धि ☑ (ii) गुण ☐ (iii) यण ☐ (iv) अयादि ☐

रचनात्मक गतिविधि

गद्यांश में आए संधि युक्त शब्द पहचानिए और उनके भेद लिखिए।

विशाल ब्रह्मांड सदैव ही मनुष्य की जिज्ञासा का केंद्र रहा है। संसार में मनुष्य ने प्रकृति की उपासना की ओर आगे बढ़ने का मनोबल प्राप्त किया। मनुष्य की कुशाग्र बुद्धि आकाश के ग्रह-नक्षत्रों की खोजबीन करती रही। मानव ने अनेक निष्फल प्रयासों के बाद भी प्रकृति के रहस्य जाने के दुष्कर कार्य को संभव बनाया। उसी के प्रयासों का परिणाम आज दिख रही पर्याप्त खोजें हैं। अंतरिक्ष की खोजों ने मनुष्य के भविष्य को उज्ज्वल बनाया, परंतु मानव अपनी सफलता के अहंकार में प्रकृति का विनाश कर अधोगति की ओर जा रहा है।

शब्द	संधि-भेद	शब्द	संधि-भेद
सदैव	वृद्धि संधि	संसार	व्यंजन संधि
उपासना	दीर्घ संधि	मनोबल	विसर्ग संधि
निष्फल	विसर्ग संधि	दुष्कर	विसर्ग संधि
उज्ज्वल	व्यंजन संधि	अधोगति	विसर्ग संधि

18. समास

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) समास की परिभाषा दीजिए।

परस्पर संबंध रखने वाले दो या अधिक शब्दों के मिलने को समास कहते हैं।

(ख) तत्पुरुष समास के सभी भेदों को सोदाहरण समझाइए।

तत्पुरुष समास में कारक चिह्न महत्त्वपूर्ण हैं इसलिए कारक की दृष्टि से तत्पुरुष समास के छह भेद होते हैं –

1. कर्म तत्पुरुष 2. करण तत्पुरुष 3. संप्रदान तत्पुरुष
4. अपादान तत्पुरुष 5. संबंध तत्पुरुष 6. अधिकरण तत्पुरुष

(ग) द्वंद्व समास की क्या विशेषता है?

द्वंद्व समास में एक नहीं बल्कि दोनों ही पद समान रूप से महत्त्वपूर्ण होते हैं। सामान्यत: द्वंद्व समास में विग्रह करने पर योजक के रूप में 'और', 'अथवा', 'तथा' 'या' का प्रयोग होता है।

(घ) किन स्थितियों में समस्तपद में कर्मधारय समास होता है?

यदि समस्तपद में उपमेय-उपमान या विशेषण-विशेष्य का संबंध हो तो कर्मधारय समास होगा।

(ङ) द्विगु समास में कौन-सा पद प्रधान होता है और उसकी क्या विशेषता होती है?

द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची होता है और विग्रह करने पर समूह या समाहार जैसे शब्द लगाए जाते हैं, यही द्विगु समास की विशेषता है।

(च) बहुब्रीहि समास की परिभाषा लिखिए।

जिस समास में दोनों में से कोई पद प्रधान नहीं होता, बल्कि कोई अन्य (तीसरा) पद प्रधान होता है, वह समास बहुव्रीहि समास कहलाता है।

(छ) समास और संधि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

संधि में वर्णों का ही मेल होता है (पहले शब्द या शब्दांश के अंतिम वर्ण और दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण का), जबकि समास में कारक चिह्नों या शब्दों का ही लोप हो जाता है। उदाहरण –

हिम + आलय = हिमालय (अ + आ की संधि हुई और आ बना।)
हिम का आलय = हिमालय (परसर्ग 'का' का लोप हो गया।)

2. नीचे लिखे शब्दों में विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

समस्तपद	**विग्रह**	**समास**
प्रतिदिन	प्रत्येक दिन	अव्ययीभाव समास
सुख-दुख	सुख और दुख	द्वंद्व समास
दशानन	दस हैं आनन जिसके अर्थात रावण	बहुब्रीहि समास
चंद्रमुख	चंद्रमा के समान मुख	कर्मधारय समास
गंगाजल	गंगा का जल	तत्पुरुष समास
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
चौराहा	चार राहों का समूह	द्विगु समास
रोगमुक्त	रोग से मुक्त	तत्पुरुष समास

3. दिए गए शब्दों को उसके समास के भेद के अनुसार उचित स्थान पर लिखिए।

प्रतिपल यथास्थान गजानन युद्धस्थल धर्म-अधर्म पीतांबर
भरसक हस्तलिखित चिड़ियाघर शताब्दी चवन्नी
तिराहा नीलकंठ लौहपुरुष राजगृह

तत्पुरुष : चिड़ियाघर, युद्धस्थल, हस्तलिखित, राजगृह
कर्मधारय : लौहपुरुष, नीलकंठ
द्विगु : शताब्दी, चवन्नी, तिराहा
द्वंद्व : धर्म-अधर्म
बहुब्रीहि : पीतांबर, गजानन
अव्ययीभाव : प्रतिपल, यथास्थान, भरसक

4. समास-विग्रहों से समस्तपद बनाइए।

नव ग्रहों का समाहार	**नवग्रह**	लाभ और हानि	**लाभ-हानि**
पीला (पीत) है जो अंबर	**पीतांबर**	ग्रंथ रूपी रत्न	**ग्रंथरत्न**
तीन भुजाओं का समूह	**त्रिभुज**	आधा है जो पका	**अधपका**
मेघ के समान नाद है जिसका	**मेघनाद**	ग्राम को गत	**ग्रामगत**
रस से भरा	**रसभरा**	रात ही रात में	**रातोंरात**
लोगों की सभा	**लोकसभा**	विष धारण करने वाला	**विषधर**

5. निम्नलिखित वाक्यों में समस्तपद रेखांकित करके, उनका विग्रह और समास का नाम लिखिए।

वाक्य

(क) हमें यथाशक्ति औरों की मदद करनी चाहिए।

समास-विग्रह – शक्ति के अनुसार **समास** – अव्ययीभाव

(ख) पिता जी नई आरामकुर्सी लाए।

समास-विग्रह – आराम के लिए कुर्सी **समास** – तत्पुरुष

(ग) लोग गिरिधर को पूजते हैं।

समास-विग्रह – गिरि धारण किया है
जिसने अर्थात कृष्ण **समास** – बहुब्रीहि

(घ) राजकुमार हिरन के पीछे भागा।

समास-विग्रह – राजा का कुमार **समास** – तत्पुरुष

(ङ) वह रात-दिन मेहनत करके सफल हुआ है।

समास-विग्रह – रात और दिन **समास** – द्वंद्व

(च) उस घुड़सवार को कोई नहीं पकड़ पाया।

समास-विग्रह – घोड़े पर सवार **समास** – तत्पुरुष

(छ) महात्मा जी के चरणकमल पड़ने से सभी धन्य हो गए।

समास-विग्रह – महान है जो आत्मा **समास** – कर्मधारय
कमल के समान चरण कर्मधारय

(ज) गोशाला के लिए चारा लाओ।

समास-विग्रह – गौ के लिए शाला **समास** – तत्पुरुष

(झ) तुलसीकृत रामायण धार्मिक ग्रंथ है।

समास-विग्रह – तुलसी द्वारा कृत **समास** – तत्पुरुष

(ञ) रीमा ने नौलखा हार खरीदा।

समास-विग्रह – नौ लाख वाला **समास** – द्विगु समास

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किस समास में दोनों पद समान रहते हैं?

(i) द्विगु	☐	(ii) द्वंद्व	☑
(iii) तत्पुरुष	☐	(iv) कर्मधारय	☐

(ख) अपादान तत्पुरुष वाला समस्तपद है –

(i) देशभक्ति	☐	(ii) रेलयात्रा	☐
(iii) सिरदर्द	☐	(iv) भयभीत	☑

(ग) द्विगु समास में पूर्वपद होता है –

(i) संख्यावाची	☑	(ii) विशेषण	☐
(iii) प्रधान	☐	(iv) अव्यय	☐

(घ) 'तिरंगा' समस्तपद में समास है –

(i) कर्मधारय	☐	(ii) तत्पुरुष	☐
(iii) बहुब्रीहि	☑	(iv) अव्ययीभाव	☐

रचनात्मक गतिविधि

- दी गई शब्द सीढ़ी के सामने लिखे समास के नाम तथा सामासिक पदों के लिए दिए अक्षर संकेतों से सामासिक पदों को पूरा कीजिए।

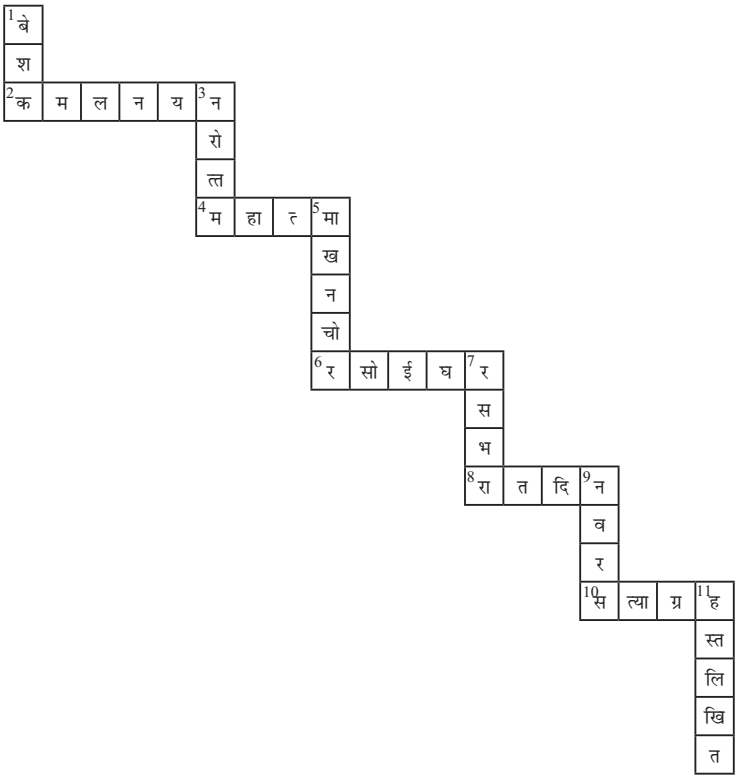

19. वाक्य-विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाक्य को परिभाषित कीजिए।

सार्थक शब्दों का ऐसा व्यवस्थित समूह, जो निश्चित अर्थ देता हो, वाक्य कहलाता है। जैसे– सीमा मेरी बहन है।

(ख) वाक्य के अनिवार्य तत्व कौन से हैं?

वाक्य के अनिवार्य तत्व हैं–

1. सार्थकता – वाक्य अपेक्षित अर्थ देने वाला होना चाहिए।
2. योग्यता – योग्यता से तात्पर्य है कि वाक्य निहित उचित अर्थ का ज्ञान कराए।
3. आकांक्षा – वाक्य पूरा होना चाहिए अर्थात् कोई ऐसा शब्द न छूटा हो, जिससे वाक्य अधूरा रह जाए।
4. निकटता – वाक्य के पदों के बीच लिखते एवं बोलते समय अपेक्षित निकटता ज़रूरी है।
5. पदक्रम – वाक्य में पदों का सही क्रम होना चाहिए।
6. अन्वय – वाक्य में आए पदों के बीच लिंग, वचन व कारक संबंधी एकरूपता ही अन्वय या अन्विति है।

(ग) अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेदों के नाम लिखिए।

अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद–

1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. आज्ञावाचक 4. प्रश्नवाचक
5. इच्छावाचक 6. संदेहवाचक 7. विस्मयादिबोधक 8. संकेतवाचक

(घ) रचना के आधार पर वाक्य के कौन-से भेद हैं?

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं– सरल, संयुक्त तथा मिश्र वाक्य।

(ङ) संयुक्त एवं मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

जिस वाक्य में समान स्तर के उपवाक्य समुच्चयबोधकों से जुड़े होते हैं, वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं। जैसे– वह अमीर और घमंडी है।

जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है और शेष उपवाक्य उस पर आश्रित होता है, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं। जैसे –

सारा सामान भीग गया क्योंकि बारिश तेज़ थी।

(च) वाक्यों में किस प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं?

वाक्यों में संज्ञा, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, सर्वनाम आदि की अशुद्धियाँ होती हैं।

2. रचना के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए।

(क) शिक्षक ने बताया कि कल नए प्रधानाचार्य आएँगे। **मिश्र वाक्य**

(ख) गली में शोर हुआ इसलिए सब बाहर आ गए। **संयुक्त वाक्य**

(ग) अर्णव बनारस गया और साड़ी लाया। **संयुक्त वाक्य**

(घ) गरिमा विद्यालय से जल्दी क्यों आई? **सरल वाक्य**

(ङ) माधव डर गया क्योंकि माँ ने डाँटा था। **मिश्र वाक्य**

3. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेदों के नाम लिखिए।

(क) काश! सबकी गरीबी दूर हो जाती। **इच्छावाचक**

(ख) क्या तुम मेरी बात सुन रहे हो? **प्रश्नवाचक**

(ग) कृपया सोहन को यह संदेश भिजवा दीजिए। **आज्ञावाचक**

(घ) पिता जी को आम खाना पसंद है। **विधानवाचक**

(ङ) आलस्य करोगे तो असफल हो जाओगे। **संकेतवाचक**

4. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

(क) संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। (मिश्र)

जो व्यक्ति संतोषी होता है वह सुखी रहता है।

(ख) वह आया और मैं चल दिया। (सरल)

उसके आने पर मैं चल दिया।

(ग) सबकी इच्छा है कि आज घूमने चलो। (सरल)

सबकी इच्छा है आज घूमने चलो।

(घ) माली आ गया इसलिए बच्चे भाग गए। (मिश्र)

जैसे ही माली आया वैसे ही बच्चे भाग गए।

(ङ) वर्षा होते ही सब छिप गए। (संयुक्त)

वर्षा शुरू हुई और सब छिप गए।

5. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय का विस्तार करके वाक्य पुनः लिखिए।

(क) मानसी पढ़ती है।

मेहनती लड़की मानसी दिन-रात पढ़ती है।

(ख) सब महँगाई से परेशान हैं।

सब लोग महँगाई से बहुत परेशान हैं।

(ग) मामा जी बैंक में मैनेजर थे

मोहन के मामा जी बैंक में पाँच वर्षों से मैनेजर थे।

(घ) जंगल में डर लगा।

घने जंगल में बहुत डर लगा।

(ङ) वह खाकर सो गया।

वह मोटा लड़का खाना खाकर जल्दी सो गया।

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए।

(क) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ। **खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ।**

(ख) सायंकाल के समय हम पार्क जाते हैं। **हम सायंकाल पार्क जाते हैं।**

(ग) कार्तिक ने अपना काम करने दो। **कार्तिक को अपना काम करने दो।**

(घ) मीठा गाना सुनकर आनंद आया। **सुरीला गाना सुनकर आनंद आया।**

(ङ) कूड़ा यहाँ नहीं फेंको। **यहाँ कूड़ा मत फेंको।**

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) वाक्य का गुण नहीं है–

(i) योग्यता ☐ (ii) सार्थकता ☐

(iii) पदक्रम ☐ (iv) जटिलता ☑

(ख) 'शैतानी करोगे, तो मार खाओगे।' वाक्य का प्रकार है–

(i) संदेहवाचक	☐	(ii) संकेतवाचक	☑
(iii) इच्छावाचक	☐	(iv) आज्ञावाचक	☐

(ग) 'वह दीन भर मारा-मारा घूमता रहा।' अशुद्धि का प्रकार है–

(i) कारक	☐	(ii) पदक्रम	☐
(iii) श्रुतिसमभिन्नार्थक	☑	(iv) विशेषण	☐

(घ) 'वह मोटा लड़का हमारा पड़ोसी है।'– वाक्य में उद्देश्य का विस्तार है।

(i) वह	☐	(ii) मोटा लड़का	☑
(iii) लड़का	☐	(iv) वह मोटा	☐

रचनात्मक गतिविधि

पढ़िए और वाक्यों की अशुद्धियाँ छाँटिए और उनका प्रकार लिखिए।

आज देश हमारा स्वाधीन है। इस स्वाधीनता के लिए देश का लोगों ने कितने न जाने कष्ट सहे। एक फ़ाँसी के फंदे पर लटके तो कुछ जेल की यातनाएँ सहते रहे। कुछ लोगों को सज़ा तो हुई काला पानी की और उन्हें मांडले जेल भेज दिया गया। उनकी आज़ादी की यह लड़ाई गहरी लंबी चली। इसके लिए हमारे कितने ही नेताओं, स्वाधीनता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने अपनी कुर्बानी दी। इन आज़ादी की लड़ाई में लड़ने वाले के कुछ नाम हमारी ज़बान पर हैं। लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक, सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आज़ाद, सरदार भगतसिंह आदि के नाम तो सभी जानती हैं। बहुत-से देशभक्त ने आज़ादी के लिए प्राण न्योछावर किए, पर उनका नाम बहुत ही कम लोग जानते हैं। ऐसा ही स्वतंत्रता सेनानी थे, बिरसा मुंडा।

अशुद्धि	प्रकार	अशुद्धि	प्रकार

बच्चे स्वयं करें।

20. पद-परिचय एवं पदबंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) पद और शब्द में अंतर स्पष्ट कीजिए।

वर्णों का सार्थक समूह शब्द होता है। शब्द स्वतंत्र होते हैं। शब्द तब तक शब्द रहता है जब तक वाक्य से अलग होता है। वाक्य में जुड़ने के बाद व्याकरणिक नियमों वचन, लिंग, कारक आदि में बँध जाता है तो उसका रूप बदल जाता है अर्थात शब्द शब्द न रहकर पद बन जाता है।

(ख) पद-परिचय से आप क्या समझते हैं? लिखिए।

व्याकरणिक दृष्टि से शब्द विशेष का परिचय पद-परिचय कहलाता है। पद परिचय में पद को अलग-अलग करके प्रत्येक पद का प्रकार, भेदोपभेद बताना, वाक्य में उसके दूसरे पदों से संबंध बताना, उसके कार्य बताना होता है। पद-परिचय में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक का पद परिचय दिया जाता है।

(ग) संज्ञा और सर्वनाम का पद-परिचय कैसे दिया जाता है? लिखिए।

संज्ञा पद का परिचय देते समय हमें सर्वप्रथम संज्ञा के भेद बताने चाहिए कि वह व्यक्तिवाचक, जातिवाचक या भाववाचक है। इसमें कौन-सा लिंग है – स्त्रीलिंग है या पुल्लिग। इसके साथ-साथ एकवचन है या बहुवचन इस बात को भी स्पष्ट करना चाहिए। कारक भेदों – कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन की जानकारी देना भी संज्ञा पद-परिचय का प्रमुख हिस्सा है। संज्ञा का वाक्यगत क्रिया या अन्य शब्द के साथ संबंध भी बताना चाहिए।

इसी प्रकार सर्वनाम का पद-परिचय देने के लिए सर्वनाम पद का उचित भेद बताना चाहिए यदि उपभेद हो तो वह भी बताना चाहिए। फिर उसका लिंग, वचन, कारक और क्रिया के साथ संबंध बताना चाहिए।

(घ) पद और पदबंध में अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' है और वर्णों के संयोग से शब्द बनता है। शब्द वाक्य में प्रयोग होने पर 'पद' बन जाता है। कई बार एक से अधिक पद मिलकर एक ही पद का काम करते हैं। ऐसे पद समूहों को

पदबंध का नाम दिया जाता है अर्थात एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरण इकाई का काम करते हैं, तो वह पदबंध कहलाता है। पदबंध का अर्थ है किसी पद और उसके साथ बँधे हुए अन्य पद।

(ङ) पदबंध के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक भेद का एक-एक उदाहरण दीजिए।

पदबंध के पाँच भेद हैं –

1. संज्ञा पदबंध – टेलीविजन पर रोचक, ज्ञानवर्धक और प्रेरक कार्यक्रम भी आते हैं।
2. सर्वनाम पदबंध – रात-दिन सपने देखने वाला वह अंततः कहीं नहीं पहुँच पाया।
3. विशेषण पदबंध – दिन-रात मेहनत करने वाली महिलाएँ भी अपना हक नहीं ले पातीं।
4. क्रिया पदबंध – फूल खिल गए हैं।
5. क्रियाविशेषण पदबंध – हम मन लगाकर हमेशा पढ़ते हैं।

(च) क्रियाविशेषण पदबंध और क्रियापदबंध में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

क्रियापदबंध – वाक्य में क्रिया का कार्य करने वाले पदबंध क्रियापदबंध कहलाते हैं। जैसे– खुशबू फैल रही है।

उपरोक्त वाक्य में 'फैल रही है', पदबंध क्रिया है।

क्रियाविशेषण पदबंध – वाक्य में क्रियाविशेषण का काम करने वाले पदबंध क्रियाविशेषण पदबंध कहलाते हैं। जैसे– उसने बहुत धीरे-धीरे चढ़ाई चढ़ी।

उपरोक्त वाक्य में 'बहुत धीरे-धीरे' क्रिया की विशेषता बता रहा है। अतः क्रियाविशेषण पदबंध है।

2. दिए गए वाक्यों के रंगीन पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए।

(क) **बच्चे** की गेंद पानी में जा गिरी। **संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग**

(ख) **खुशियाँ** आसानी से नहीं मिलतीं। **भाववाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग**

(ग) **देर तक** आवाज़ आती रही। **रीतिवाचक, क्रियाविशेषण**

(घ) **चलते-चलते** पाँव थकने लगे हैं।

पुनरुक्त शब्द-युग्म, सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल

(ङ) उसका **धीरज** टूट रहा है। **भाववाचक, पुल्लिग, एकवचन**

3. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पदों के परिचय में कहाँ गलती हुई है? गलती को गोले से अंकित कीजिए।

(क) राधिका **मेरी** बहन है। – **विशेषण**, **गुणवाचक**, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) **धीरे-धीरे** सबकुछ ठीक हो जाएगा। – क्रियाविशेषण, **कालवाचक**, एकवचन

(ग) **समझदारी** अच्छी चीज़ है। – संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, **पुल्लिंग**

(घ) **दरवाज़े** खुलने चाहिए। – **क्रिया**, **अकर्मक**, पुल्लिंग, बहुवचन

(ङ) **भिक्षावृत्ति** बुरी चीज़ है। – **संज्ञा**, **जातिवाचक**, स्त्रीलिंग, एकवचन

4. निम्नलिखित में पदबंध रेखांकित करते हुए पदबंधों के नाम लिखिए।

(क) सबकी आँखों में चुभने वाले व्यक्ति अच्छे नहीं होते। **संज्ञा पदबंध**

(ख) हम सबकी सहायता करने वाली वे अब कहीं और चली गई हैं। **सर्वनाम पदबंध**

(ग) बहुत सोच-समझकर कदम उठाया करो। **क्रियाविशेषण**

(घ) हम सब चलते ही जा रहे हैं। **क्रिया पदबंध**

5. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन पद-समूह के पदबंध के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

(क) शांतिवन में **बहुत सुंदर और छायादार वृक्ष** हैं।

(संज्ञा पदबंध/**विशेषण पदबंध**)

(ख) बगीचे में लोग **धीरे-धीरे टहल रहे हैं**।

(क्रिया पदबंध/**क्रियाविशेषण पदबंध**)

(ग) **भीड़ में खड़े सब** अब कहीं जा रहे हैं। (संज्ञा पदबंध/**सर्वनाम पदबंध**)

(घ) **जंगल में विचरने वाले हिरणों** को देखने चलें।

(विशेषण पदबंध/**संज्ञा पदबंध**)

(ङ) **यहाँ से 20 किलोमीटर** दूर हमारा गाँव है।

(सर्वनाम पदबंध/**विशेषण पदबंध**)

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'उधेड़बुन में पड़ी माँ छत पर टहल रही थीं।' वाक्य में पदबंध का प्रकार है –

(i) संज्ञा पदबंध ☑ (ii) विशेषण पदबंध ☐

(iii) सर्वनाम पदबंध ☐ (iv) क्रिया पदबंध ☐

(ख) 'सबसे लड़ने वाला वह आज शांत क्यों है?' विशेषण पदबंध में पदसमूह किसकी विशेषता बता रहा है?

(i) सबसे ☐ (ii) लड़ने वाला ☐

(iii) वह ☑ (iv) आज ☐

(ग) 'घर में सब खुश हैं।' रेखांकित पद का भेद है –

(i) विशेषण ☐ (ii) संज्ञा ☑

(iii) क्रियाविशेषण ☐ (iv) सर्वनाम ☐

(घ) 'सब लोग अपने में व्यस्त थे।' रेखांकित पद के पद परिचय का अंग है –

(i) विशेषण ☐ (ii) बहुवचन ☐

(iii) पुल्लिंग ☐ (iv) ये सभी ☑

रचनात्मक गतिविधि

बच्चे स्वयं करेंगे।

21. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) लोकोक्ति और मुहावरे में अंतर बताइए।

लोकोक्तियाँ अनुभव पर आधारित अर्थात लोक प्रचलित होती हैं तथा ये अपने आप में पूर्ण वाक्य होते हैं। जबकि मुहावरे वाक्य में विशेषता लाने वाले वाक्यांश होते हैं और वाक्य के मध्य में प्रयुक्त होते हैं। वाक्य प्रयोग में मुहावरों में लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार परिवर्तन आता है परंतु लोकोक्तियाँ अपने मूल रूप में ही रहती हैं।

(ख) भाषा में मुहावरे-लोकोक्तियों का क्या महत्त्व है?

मुहावरे-लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा में विलक्षणता आ जाती है। इनके प्रयोग से भाषा में अलग ही आकर्षण और प्रभाव आ जाता है।

लोकोक्तियाँ या कहावतें तो कथन को वैसे ही पुष्ट कर देती हैं। जैसे– 'हाथ कंगन को आरसी क्या' अर्थात प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।

2. मुहावरों एवं लोकोक्तियों का उनके सही अर्थों से मिलान कीजिए।

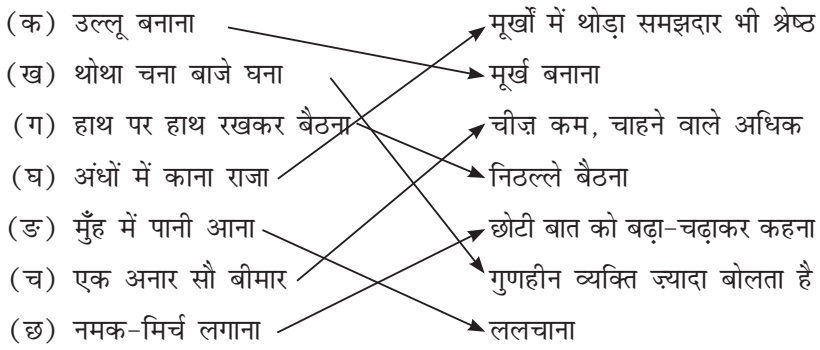

3. मुहावरों में शब्दों की अशुद्धि दूर करके मुहावरे पुनः लिखिए।

(क) खाल के बाल निकालना	**बाल की खाल निकालना**
(ख) आस्तीन का बिच्छू	**आस्तीन का साँप**
(ग) बाल पर जूँ न रेंगना	**कान पर जूँ न रेंगना**

(घ) पुस्तक का कीड़ा — **किताबी कीड़ा होना**

(ङ) अक्ल पर कचरा पड़ना — **अक्ल पर पत्थर पड़ना**

(च) घाव पर मसाला छिड़कना — **जले पर नमक छिड़कना**

4. वाक्यों में रंगीन वाक्यांशों की जगह मुहावरे-लोकोक्तियों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।

(क) अपने मित्र से उम्मीद थी, पर उसने **साफ़ इनकार कर दिया**।

अपने मित्र से उम्मीद थी, पर उसने अँगूठा दिखा दिया।

(ख) अपने गलत कामों से अपनी ही **बेइज़्ज़ती करवाकर** तुम्हें क्या मिलता है?

अपने गलत कामों से अपनी ही नाक कटवाकर तुम्हें क्या मिलता है?

(ग) **अवसर का लाभ उठा लेने** में भी समझदारी ही होती है।

बहती गंगा में हाथ धोने में ही समझदारी होती है।

(घ) लोग शहरों की चमक-दमक देखकर जाते हैं, परंतु यह भूल जाते हैं कि **दूर की चीज़ अच्छी लगती है**।

ग्रामीण शहरों की चमक-दमक देखकर जाते हैं, परंतु यह भूल जाते हैं कि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

(ङ) आज के समय में **सिद्धांतहीन व्यक्तियों** की कमी नहीं है।

आज के समय में गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले व्यक्तियों की कमी नहीं है।

5. उचित मुहावरे और लोकोक्तियों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) अरे! इतनी दूर बद्रीनाथ-केदारनाथ जाकर क्या करोगे? **मन चंगा तो कटौती में गंगा** वाली कहावत नहीं सुनी।

(ख) मीठा बोलने से स्वयं को शांति मिलती है और दूसरे भी प्रशंसा करते हैं यानी **आप भला तो जग भला**।

(ग) पैदल ही बाज़ार जाते हो। काम का काम और सैर की सैर, इसे ही कहते हैं **आम के आम और गुठलियों के दाम**।

(घ) यह पुस्तक किसे दे रहे हो? उसके लिए तो **काला अक्षर भैंस बराबर** है।

(ङ) उस मूर्ख को हीरे के गुण बता रहे हो। सुना नहीं **बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद**।

(च) स्वयं परिश्रम करके धन कमाओ। तभी तो कहते हैं अपना **हाथ जगन्नाथ**।

(छ) बोर्ड की परीक्षा आने वाली हैं और तुम **घोड़े बेचकर सो रहे हो**।

(ज) सारे सबूत तुम्हारे सामने हैं; खुद ही देख लो भला हाथ **कंगन को आरसी क्या**।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'पाँव तले **ज़मीन** खिसकना।' उचित शब्द से लोकोक्ति पूरी कीजिए।

(i) कालीन	☐	(ii) ज़मीन	☑
(iii) आसमान	☐	(iv) चादर	☐

(ख) 'बढ़-चढ़कर बातें करना।' किस मुहावरे का अर्थ है?

(i) गाल बजाना	☑	(ii) भंडा फोड़ना	☐
(iii) कान कतरना	☐	(iv) ढोल पीटना	☐

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों में मुहावरा छाँटिए–

(i) मार देना	☐	(ii) झंडा गाड़ना	☑
(iii) रौब दिखाना	☐	(iv) टोपी फेंकना	☐

(घ) 'चोर-चोर मौसरे भाई' कथन है–

(i) लोकोक्ति	☑	(ii) सामान्य कथन	☐
(iii) मुहावरा	☐	(iv) विशेष बात	☐

रचनात्मक गतिविधि

दिए गए मुहावरे-लोकोक्तियों का प्रयोग करते हुए एक लघु कहानी लिखिए।

आँखें नीची होना गड़े मुर्दे उखाड़ना कान कतरना छप्पर फाड़कर देना
भीगी बिल्ली बनना धूल में मिलना मान न मान मैं तेरा मेहमान
हाथ कंगन को आरसी क्या ऊँची दुकान फीके पकवान
दीवारों के भी कान होते हैं

बच्चे स्वयं करें।

22. अलंकार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) अलंकार किसे कहते हैं?

भाषा को ऐसे शब्दों से सजाना जो उनमें आंतरिक और बाह्य दोनों तरह की सुंदरता पैदा करते हैं, उन्हें अलंकार कहते हैं। अलंकार दो शब्दों का योग है– अलम + कृ। 'अलम' का अर्थ है– भूषित करना। 'कृ' का अर्थ है– करने वाला। अर्थात जो आभूषित करता है वह अलंकार है।

(ख) अलंकारों के प्रयोग से भाषा पर क्या प्रभाव पड़ता है?

जिस प्रकार अलंकारों, गहनों या आभूषणों से आभूषित होकर कोई स्त्री अधिक खूबसूरत लगती है। उसी प्रकार काव्य भी अलंकारों से आभूषित होकर अत्यधिक आकर्षित हो जाता है। अलंकार केवल बाह्य (शब्दों की) सजावट ही नहीं बल्कि आंतरिक (भाव) की सजावट भी करते हैं।

(ग) शब्दालंकार किसे कहते हैं? इसके भेदों के उदाहरण दीजिए।

शब्दों से भाषा में चमत्कार लाने वाले अलंकार शब्दालंकार कहलाते हैं। शब्दालंकार के भेद निम्नलिखित हैं–

1. अनुप्रास अलंकार 2. यमक अलंकार 3. श्लेष अलंकार

(घ) अर्थालंकार और शब्दालंकार में अंतर बताइए।

शब्दों से भाषा में चमत्कार लाने वाले अलंकार शब्दालंकार कहलाते हैं। जहाँ शब्द को बदल देने, उसका लगभग समानार्थी रख देने के बाद भी चमत्कार बना रहे, वहाँ अलंकार शब्द में नहीं, बल्कि उसके अर्थ में माना जाएगा। ऐसे वर्णनों में जब अलंकार की छटा के दर्शन होते हैं, तो उन प्रयोगों को अर्थालंकार कहते हैं।

(ङ) यमक और श्लेष अलंकार में क्या अंतर है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

जहाँ एक ही शब्द अनेक बार आए और अर्थ अलग हों वहाँ यमक अलंकार होता है। जैसे– तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है। यहाँ बेर शब्द दो बार आया है। पहले बेर का अर्थ बेर फल से है तथा दूसरे बेर का अर्थ बार या दफा से है।

श्लेष अलंकार में एक शब्द एक ही बार आता है पर उसके अर्थ भी अलग-अलग होते हैं। जैसे– सुबरन को खोजत फिरे कवि, व्यभिचारी, चोर। यहाँ सुबरन शब्द का प्रयोग सुंदर वर्ण, सुंदर रूप तथा सोने के अर्थ में हुआ है।

2. निम्नलिखित में सही उत्तर का चयन कीजिए।

(क) हाथी जैसी चाल। (रूपक/**उपमा**/उत्प्रेक्षा)

(ख) चरण कमल बंदौ हरिराई। (**रूपक**/अनुप्रास/यमक)

(ग) मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा। (रूपक/उपमा/**उत्प्रेक्षा**)

(घ) इतना रोया था मैं उस दिन, ताल-तलैया सब भर डाले।
(उपमा/रूपक/**अतिशयोक्ति**)

(ङ) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल थल में।
(**अनुप्रास**/श्लेष/अतिशयोक्ति)

3. निम्नलिखित कथनों के सही-गलत होने का निर्णय कीजिए।

(क) एक ही पंक्ति में शब्दालंकार और अर्थालंकार दोनों नहीं हो सकते। ✓

(ख) रूपक अलंकार में केवल सुंदर रूप का वर्णन किया जाता है। ✗

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार में उपमेय और उपमान के बीच संभावना बताई जाती है। ✓

(घ) यमक अलंकार में एक शब्द का केवल एक ही बार प्रयोग किया जाता है। ✗

(ङ) श्लेष अलंकार में एक ही शब्द अलग-अलग अर्थ देता है। ✓

4. निम्नलिखित अलंकारों का एक-एक उदाहरण दीजिए।

(क) **श्लेष** – जो रहीम गति दीप की कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारों करै, बढ़ै अँधेरो होय।।

(ख) **उपमा** – हाय फूल-सी कोमल बच्ची, हुई राख की थी ढेरी।

(ग) **यमक** – कनक-कनक से सौ गुना मादकता अधिकाय।

(घ) **रूपक** – पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो।

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) एक ही शब्द के दो अर्थ किस अलंकार में होते हैं?

(i) श्लेष	✓	(ii) उपमा	
(iii) अनुप्रास		(iv) यमक	

(ख) उपमा अलंकार का अंग है –

(i) उपमान		(ii) उपमेय	
(iii) समान धर्म		(iv) ये सभी	✓

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार की पहचान वाला शब्द है –

(i) जैसा		(ii) मानहु	✓
(iii) सी		(iv) सम	

(घ) 'उदित उदयगिरि मंच पर, रघुवर बाल पतंग' पंक्ति में अलंकार है –

(i) उपमा		(ii) अतिशयोक्ति	
(iii) रूपक	✓	(iv) उत्प्रेक्षा	

रचनात्मक गतिविधि

आप अपनी हिंदी पुस्तक से कविताओं से ऐसी दस पंक्तियाँ छाँटिए, जिनमें अलंकार आए हों। आप अपनी पढ़ी या सुनी हुई अन्य कविताओं से भी अलंकार युक्त पंक्तियाँ ले सकते हैं।

बच्चे स्वयं करें।

23. अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

अभ्यास

नीचे दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) जिस प्रकार रोटी, कपड़ा और मकान मानव की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं, उसी प्रकार शिक्षा भी मानव की प्रथम आवश्यकता है। शिक्षा का सीधा संबंध मानव के विकास से है। शिक्षा ही मानव को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाती है। निरक्षर व्यक्ति पशु समान है। शिक्षा केवल व्यक्ति ही नहीं, अपितु संपूर्ण समाज की सफलता तथा प्रगति की सीढ़ी है। मानव की सभी आकांक्षाएँ कामधेनु रूपी शिक्षा से ही फलीभूत होती हैं। शिक्षा की उपयोगिता को जानकर ही भारत सरकार ने 'साक्षरता-अभियान' चलाया है। प्रौढ़ शिक्षा-अभियान भी साक्षरता अभियान का महत्त्वपूर्ण अंग है। सरकार के अलावा समाज सेवी संगठन तथा छात्र भी इन अभियानों में सराहनीय भूमिका अपनाते हैं। 'ईच वन – टीच वन' अर्थात् हर पढ़ा-लिखा व्यक्ति एक निरक्षर/अनपढ़ को साक्षर बनाए, जैसे अभियान भी चल रहे हैं।

1. आज के युग की प्रथम आवश्यकता क्या है?

शिक्षा आज के युग की प्रथम आवश्यकता है।

2. मानव अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ कैसे बनता है?

शिक्षा से ही मानव अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनता है। शिक्षित व्यक्ति ही एक सभ्य समाज का निर्माण कर सकता है।

3. सरकार द्वारा कौन-कौन से अभियान चलाए जा रहे हैं?

सरकार द्वारा साक्षरता-अभियान, प्रौढ़ शिक्षा-अभियान, ईच वन टीच वन जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं।

4. 'ईच वन टीच वन' कार्यक्रम क्या है?

ईच वन टीच वन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक पढ़ा-लिखा व्यक्ति एक निरक्षर/अनपढ़ को साक्षर बनाएगा।

5. समास-विग्रह कीजिए – पशु-समान, साक्षरता-अभियान।

पशु के समान, साक्षर करने के लिए अभियान

(ख) देवदूत वहाँ से चला गया। महापुरुष की नींद खुली। कुछ समय बाद उसने

दूसरा स्वप्न देखा। उस स्वप्न में भी उसने देवदूत को कुछ लिखते हुए देखा। महापुरुष ने कहा, "मित्र! आप क्या कर रहे हैं?" देवदूत ने कहा, "ईश्वर की आज्ञा से उस सूची में संशोधन कर रहा हूँ।"

महापुरुष ने कहा, ''क्या मैं उस सूची को देख सकता हूँ?" देवदूत ने उसके हाथ में पुस्तक दे दी। महापुरुष ने आश्चर्य से देखा कि उसका नाम ईश्वर के प्रिय भक्तों में सबसे ऊपर है। महापुरुष ने चकित होकर कहा, "आपने मेरा नाम सबसे ऊपर लिखा। मुझे लोकसेवा के कार्यों से अवकाश ही नहीं मिलता कि माला लेकर भगवान का भजन करूँ।"

देवदूत ने कहा, "भगवान उसी को सर्वश्रेष्ठ भक्त मानते हैं जो सबमें ईश्वर को व्याप्त मानकर उसकी सेवा करता है। तू मनुष्य में देवत्व मानकर उसकी उपासना करता है, यही ईश्वर की उपासना है। पत्थर में देवत्व के वास की अपेक्षा जीवित मनुष्य में देवत्व भावना रखना उचित है। हे महापुरुष! आप वास्तव में ईश्वर भक्त हैं, जो चेतन में ईश्वर को ढूँढ़ते हैं। प्राण तो जीवित शरीर में रहते हैं मृत शरीर में नहीं। जो केवल एकांत में बैठकर भगवान को पुकारते हैं ईश्वर उनसे दूर भागता है।''

1. दूसरे स्वप्न में महापुरुष ने क्या देखा?

दूसरे स्वप्न में भी महापुरुष ने देवदूत को कुछ लिखते हुए देखा।

2. महापुरुष चकित क्यों हुआ?

अपना नाम ईश्वर के प्रिय भक्तों में सबसे ऊपर देखकर महापुरुष चकित हुआ।

3. भगवान किसे सर्वश्रेष्ठ मानते हैं?

भगवान उसी को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं जो सबमें ईश्वर को व्याप्त मानकर उसकी सेवा करता है।

4. 'महापुरुष' समस्त पद का विग्रह करके उसका भेद लिखिए।

महान है जो पुरुष – कर्मधारय समास

5. इस गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

शीर्षक – सच्ची सेवा

(ग) अशोक की गणना सुंदर वृक्षों में होती है। इसके वृक्ष हिमालय के कुछ ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों को छोड़कर भारत में सर्वत्र पाए जाते हैं। वाल्मीकि रामायण में इस वृक्ष का उल्लेख मिलता है। लंका में रावण की वाटिका में

इसके घने छायादार वृक्ष लगे थे। राम ने भी वनवास के समय पंचवटी में जिन पाँच वृक्षों को लगाया था, उनमें से एक वृक्ष अशोक था। अशोक का संस्कृत नाम 'अशोकः' गतशोकः है। वनस्पतिशास्त्री इसे 'सराका इंडिका' कहते हैं। अशोक वृक्ष सामान्यतः सात से दस मीटर ऊँचा होता है। विलियम जोन्स ने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा था, "वनस्पति जगत में अशोक से बढ़कर शायद ही कोई अन्य मनोरम वृक्ष होगा।"

अशोक का वृक्ष आयुर्वेदिक दृष्टि से भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसकी छाल, जड़ तथा फूल सभी दवा बनाने के काम आते हैं। अशोक वृक्ष की लकड़ियाँ हवन के काम आती हैं। इसके पत्तों से वंदनवार बनाकर घरों के दरवाज़ों को सजाया जाता है। बौद्धमत के अनुयायी इस वृक्ष को श्रद्धा के साथ पूजते हैं। अशोक वृक्ष की अपनी सुंदरता, अपना महत्त्व है और बना रहेगा।

1. वनस्पति-शास्त्र में अशोक को किस नाम से जाना जाता है?

(i) सराका इंडिका ☑ (ii) राका इंडिया ☐

(iii) सरका इंडिका ☐ (iv) गतशोक ☐

2. अशोक वृक्ष किस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है?

(i) सुंदरता की दृष्टि से ☐ (ii) वनस्पति की दृष्टि से ☐

(iii) आयुर्वेदिक दृष्टि से ☑ (iv) रामायण की दृष्टि से ☐

3. किस मत के अनुयायी इस वृक्ष की पूजा करते हैं?

(i) जैन मत के अनुयायी ☐ (ii) रामभक्त ☐

(iii) बौद्धमत के अनुयायी ☑ (iv) वैष्णव अनुयायी ☐

4. 'मनोरम' शब्द का अर्थ है–

(i) मन में बसने वाला ☑

(ii) मन को विचलित करने वाला ☐

(iii) मन को कष्ट देने वाला ☐

(iv) मन को अच्छा लगने वाला ☐

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए–

(i) अशोक वृक्ष ☐

(ii) अशोक - एक आयुर्वेदिक वृक्ष ☑

(iii) सरका इंडिका ☐

(iv) विशाल वृक्ष

(घ) जो अपने कंधों से पर्वत
से बढ़ टक्कर लेते हैं।
पथ की बाधाओं को जिनके
पाँव चुनौती देते हैं।
जिनको बाँध नहीं सकती है
लोहे की बेड़ी-ज़ंजीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो
सीधी रखते अपनी रीढ़।

जिनको यह अवकाश नहीं है,
देखें कब तारे अनुकूल।
जिनको यह परवाह नहीं है,
कब तक भद्रा, कब दिक्‌शूल।
जिनके हाथों की चाबुक से
चलती है उनकी तकदीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो
सीधी रखते अपनी रीढ़।

1. यहाँ रीढ़ सीधी रखने का क्या अर्थ है?

यहाँ रीढ़ सीधी रखने का अर्थ आत्मविश्वास और हिम्मत रखने से है।

2. जो लोग ग्रह-नक्षत्रों की अनुकूलता ही देखकर चलते हैं – उनका जीवन आपकी राय में किस तरह का हो जाता है?

ग्रह-नक्षत्रों के अनुकूल चलने वालों का जीवन स्थिर हो जाता है। समय निकल जाता है और वे शुभ समय का इंतजार करते रहते हैं। वे कर्मशील नहीं होते। वे समय के हाथों की कठपुतली बनकर रह जाते हैं।

3. कौन लोग अपनी तकदीर को अपने हाथों की चाबुक से चला पाते हैं?

जिनके अंदर हिम्मत और आत्मविश्वास होता है तथा जो कर्मशील होते हैं वही अपने हाथों के चाबुक से अपनी तकदीर को चलाते हैं।

4. तारे अनुकूल होने का क्या अर्थ है?

तारे अनुकूल होने का अर्थ है– 'शुभ समय', अर्थात जिसके अंतर्गत कार्य आरंभ किया जाए।

5. दो-दो पर्यायवाची दीजिए – तकदीर, बाधा।

तकदीर – भाग्य, किस्मत

बाधा – रुकावट, विघ्न

(ङ) सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए से
ऊँघते अनमने जंगल।

सड़े पत्ते, गले पत्ते
हरे पत्ते, जले पत्ते
वन्य पथ को ढक रहे–से

झाड़ ऊँचे और नीचे
चुप खड़े हैं आँख मींचे;
घास चुप है, काश चुप है;
मूक शाल, पलाश चुप है;
बन सके तो धँसो इनमें,
धँस न पाती हवा जिनमें,
सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए से
ऊँघते, अनमने जंगल!

पंक दल में पले पत्ते,
चलो इन पर चल सको तो
दलो इन पर दल सको तो
ये घिनौने-घने जंगल,
नींद में डूबे हुए से
ऊँघते, अनमने जंगल!

1. सतपुड़ा के जंगलों के लिए प्रथम दो पंक्तियों में कौन-से विशेषण आए हैं?

विशेषण – घने, नींद में डूबे हुए

2. यहाँ किस-किसको चुप बताया गया है?

ऊँचे-नीचे झाड़, घास, काश, शाल, पलाश को चुप बताया है।

3. पंक दल में पले पत्तों के साथ किस तरह का व्यवहार करने की चुनौती कवि ने हमें दी है?

कवि ने पंक दल में पले पत्तों पर चलने और इन्हें दलने की चुनौती दी है।

4. जंगलों को कवि ने किस तरह के विशेषणों से सुशोभित किया है?

जंगलों को कवि ने घिनौने-घने विशेषण से सुशोभित किया है।

5. इन पंक्तियों में 'चुप' शब्द कितनी बार आया है? लिखिए।

चार बार।

(च) मुहल्ले में वह शांति बेचता है।
लाउडस्पीकरों की
एक दुकान है उसकी
मेरे घर से बिलकुल लगी हुई।
सुबह-सुबह मुँह अँधेरे दो घंटे
लाउडस्पीकर न बजाने के
वह मुझसे सौ रुपये महीने लेता है मैं उसका आभारी हूँ

साफ़ पानी और साफ़ हवा से भी ज़्यादा
शांति की किल्लत रहेगी।
वह जानता है
कि क्रांति के ज़माने अब लद चुके ...
अब उसे अपना पेट पालने के लिए
शांति का धंधा अपनाना है।

वह जानता है कि मैं
उन अभागों में से हूँ
जो शांति के बिना
जीवित नहीं रह सकते।
वह जानता है

भारत जैसे देश में जहाँ कीमतें आसमान छू रहीं
सौ रुपये महीने की दर से
अगर दो घंटे रोज़ भी शांति मिल सके
तो महँगी नहीं।
कि आने वाले वक्तों में

1. लाउडस्पीकरों की दुकान वाला शांति कहाँ बेचता है?

(i) हर गली में ☐ (ii) घर-घर जाकर ☐
(iii) मुहल्ले में ☑ (iv) शहर में ☐

2. कवि ने अपने आपको क्या कहा है?

(i) अभागा ☑ (ii) अशांत ☐
(iii) शांत ☐ (iv) कायर ☐

3. कवि स्वयं को शांति बेचने वाले दुकानदार का आभारी क्यों मानता है?

(i) शांति का महत्त्व बताने के लिए ☐
(ii) सस्ते में शांति बेचने के लिए ☑
(iii) लाउडस्पीकर बंद रखने के लिए ☐
(iv) उसके मुहल्ले में रहने के लिए ☐

4. कवि किस समय लाउडस्पीकर न बजाने के सौ रुपये महीना देता है?

(i) देर रात दो घंटे ☐ (ii) सुबह-शाम दो घंटे ☐
(iii) सुबह से शाम तक ☐ (iv) सुबह-सुबह दो घंटे ☑

5. 'पेट पालने' का अर्थ है –

(i) धन कमाना ☐ (ii) संघर्ष करना ☐
(iii) गुज़ारा करना ☑ (iv) अधिक भोजन खाना ☐